▸▸ वर्ष : 34 ▸▸ अंक : 322 ▸▸ मुंबई, गुरुवार, 29 जनवरी 2026 ▸▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸ मूल्य : 3 रुपए ▸▸ epaper.dobajedopahar.com ▸▸ संपादक : अरुण लाल ▸▸ संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर

'इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम' (आईएलएस) की कमी खली

विमानन विशेषज्ञों के अनुसार, बारामती एयरपोर्ट के रनवे पर 'इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम' (आईएलएस) मौजूद नहीं था। रिटायर्ड पायलट एहसान खालिद ने बताया कि अगर रनवे पर आईएलएस लगा होता, तो कम दृश्यता के बावजूद पायलट को लैंडिंग में सटीक गाइडेंस मिल जाती और यह दुर्घटना नहीं होती। आईएलएस एक ऐसा रेडियो नेविगेशन सिस्टम है जो पायलटों को तब भी सुरक्षित लैंडिंग में मदद करता है जब उन्हें रनवे ठीक से दिखाई न दे रहा हो।

थम गई घड़ी की सुई...

- ▸▸ महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार की विमान हादसे में मौत
- ▸▸ विमान में सवार दो क्रू मेंबर समेत चार अन्य लोगों की भी मौत
- ▸▸ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी समेत कई लोगों ने जताया दुख
- ▸▸ तीन दिन का राजकीय शोक घोषित, विद्या प्रतिष्ठान में होगा अंतिम संस्कार

राजनीति के गलियारों में शोर बहुत होता है, वहां हर रोज नए नारे गढ़े जाते हैं, लेकिन आज जो खामोशी महाराष्ट्र की हवाओं में तैरी है, वह किसी भी नारे से ज्यादा भारी है। यह खामोशी उस वैक्यूम की तरह है जो किसी विशाल बरगद के पेड़ के अचानक गिर जाने के बाद जंगल में पैदा हो जाता है। अजित पवार महाराष्ट्र की राजनीति की वह 'घड़ी' थे, जिसकी सुइयां कभी रुकती नहीं थीं, चाहे वक्त कैसा भी हो। दरअसल अजित पवार ने सियासत की इस शतरंजी बिसात को कभी खेल की तरह नहीं, बल्कि एक 'युद्ध-कला' की तरह जिया। उनके फैसले अक्सर चौंकाने वाले होते थे। कभी-कभी लगता था कि वो हवा के रुख के खिलाफ कश्ती चला रहे हैं, लेकिन फिर किनारे पर पहुंचकर सबको गलत साबित कर देते थे। चाचा (शरद पवार) के साथ उनके रिश्ते किसी धूप-छांव के खेल जैसे रहे। कभी आप उनकी लाठी बने, तो कभी आपने उसी लाठी को थामने से इनकार कर दिया। यह द्वंद्व सिर्फ एक परिवार का नहीं था, यह दो पीढ़ियों के बीच का, दो विचारधाराओं के बीच का, और शायद दो अलग-अलग तरह के प्रेम के बीच का द्वंद्व था। आज जब अजित पवार चले गए हैं, तो वह आंगन सूना हो गया है जहां इन मतभेदों के बावजूद एक साझा इतिहास सांस लेता था। लोगों के लिए अजित पवार एक पहेली थे–कभी विलेन, कभी हीरो। लेकिन आज जब अजित पवार नहीं हैं, तो यह महसूस हो रहा है कि कहानी का सबसे दिलचस्प किरदार मंच छोड़कर चला गया है। कोई अजित पवार को कुछ भी कहे, लेकिन सच ये है कि अजित पवार उस नदी की तरह थे जो अपना रास्ता खुद बनाती है, भले ही उसे पहाड़ काटने पड़ें। आज वह नदी अचानक किसी अदृश्य समंदर में विलीन हो गई। अलविदा, दादा।

अमित बृज । पुणे

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य लोगों की बुधवार सुबह लगभग 8:50 बजे बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान विमान दुर्घटना में मौत हो गई। हादसे में पवार के सुरक्षाकर्मी, दो पायलट और एक महिला क्रू मेंबर की जान गई। पवार पांच फरवरी को होने वाले जिला परिषद चुनाव के लिए पुणे जिले में चार रैलियों को संबोधित करने जा रहे थे। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) और विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की टीमें विमान दुर्घटना की जांच करने के लिए मौके पर पहुंच चुकी हैं। जांच एजेंसी की एक टीम दिल्ली में विमान की ऑपरेटर कंपनी वीएसआर वेंचर्स के दफ्तर भी पहुंची है।

लैंडिंग से पहले विमान ने चक्कर लगाया

उड़ानों की निगरानी करने वाली फ्लाइट रडार के अनुसार, दिल्ली स्थित वीएसआर वेंचर्स द्वारा संचालित लीयरजेट 46 विमान ने मुंबई से सुबह 8:10 बजे उड़ान भरी और सुबह लगभग 8:45 बजे इसका रडार से संपर्क टूट गया। केंद्रीय विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने बताया कि पायलट ने बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग की कोशिश की थी, लेकिन रनवे साफ दिखाई नहीं दिया तो वह प्लेन को दोबारा ऊंचाई पर ले गया। हवाई पट्टी वाले इलाके में घना कोहरा था, जिससे दृश्यता काफी कम थी। पहली कोशिश नाकाम रहने के बाद बारामती के रनवे–11 पर दोबारा लैंडिंग की कोशिश की गई। इस दौरान विमान रनवे से पहले ही गिर गया और उसमें आग लग गई। जिसके बाद विमान धू–धू कर जल उठा। पायलट ने कोई इमरजेंसी सिग्नल नहीं दिया था। उसने 'मेडे' कॉल भी नहीं किया था। एसपी संदीप सिंह गिल ने बताया कि दुर्घटना के बाद विमान में आग लग गई। जिससे विमान में सवार सभी लोगों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। जहां सभी को मृत लाया घोषित कर दिया गया।

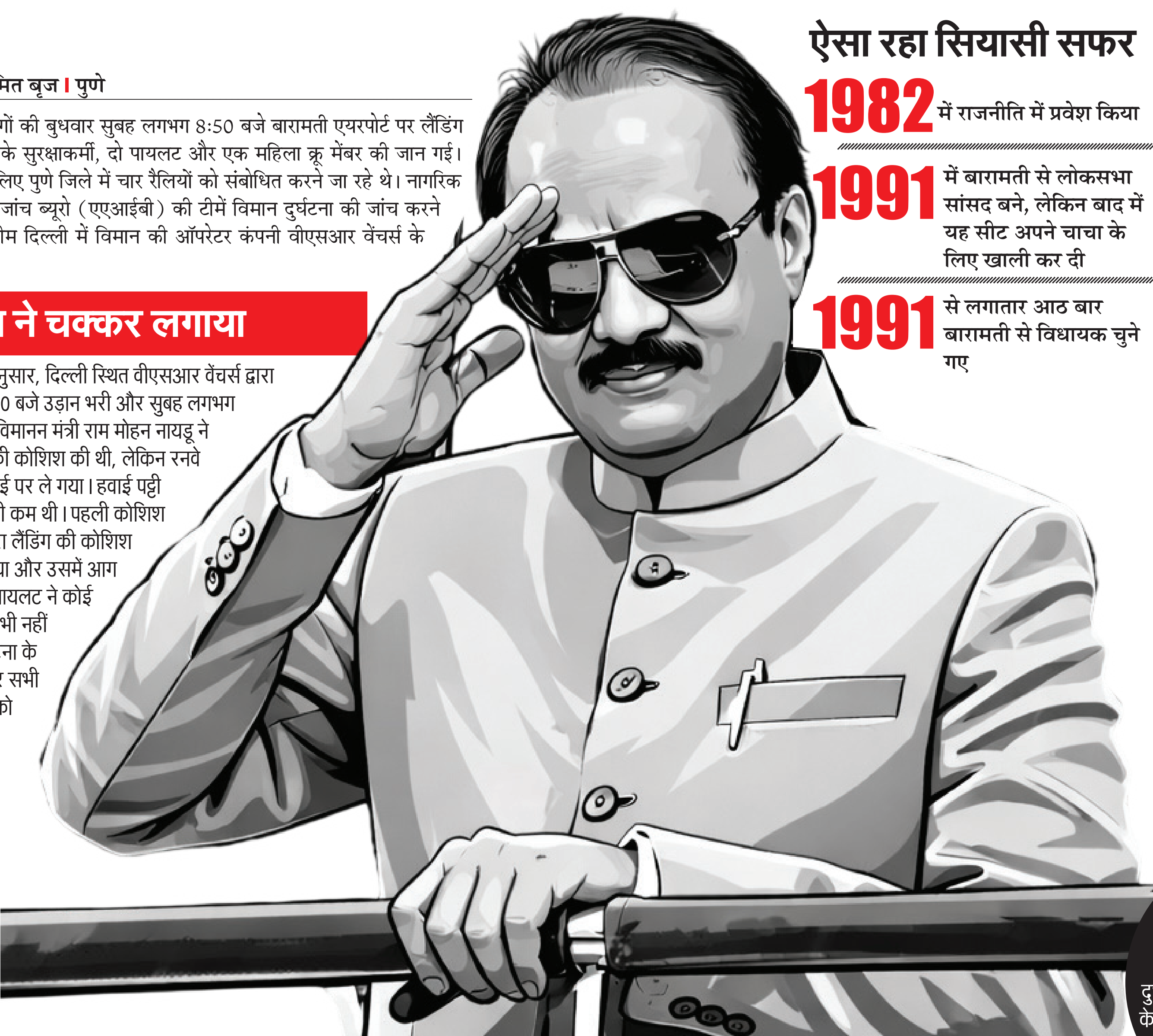

ऐसा रहा सियासी सफर

1982 में राजनीति में प्रवेश किया

1991 में बारामती से लोकसभा सांसद बने, लेकिन बाद में यह सीट अपने चाचा के लिए खाली कर दी

1991 से लगातार आठ बार बारामती से विधायक चुने गए

छह बार उपमुख्यमंत्री रहे

अजित पवार ने छह बार महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री का पद संभाला। जुलाई 2023 में भाजपा और शिवसेना के गठबंधन वाली सरकार में शामिल होने से पहले वह नवंबर 2019 में देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री रहते हुए उपमुख्यमंत्री थे। हालांकि वह सरकार मुश्किल से दो दिन ही चली। अजित के नाम कांग्रेस, शिवसेना और भाजपा के नेतृत्व वाली कई सरकारों में उपमुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड है।

महिला कैप्टन के आखिरी शब्द थे- ओह शिट...

ओह शिट विमान हादसे में अजित पवार के अलावा उनके साथ मौजूद पीएसओ एचसी विदिप जाधव, पायलट कैप्टन सुमित कपूर, कैप्टन सांभवी पाठक और फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली की भी जान चली गई। विमान दुर्घटना से पहले प्लेन के मुख्य पायलट सुमित कपूर ने मेडे कॉल नहीं किया था, लेकिन उनके साथ मौजूद कैप्टन सांभवी पाठक के आखिरी शब्द थे– ओह शिट...ओह शिट।

क्या बोले प्रत्यक्षदर्शी?

दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद विमान में विस्फोट हुआ हादसे की गवाह रही एक महिला ने बताया कि बुधवार सुबह पुणे जिले के बारामती के पास उतरते समय विमान हवा में थोड़ा अस्थिर प्रतीत हो रहा था और दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद इसमें विस्फोट हुआ था। घटना के प्रत्यक्षदर्शी रहे एक अन्य व्यक्ति ने बताया कि दुर्घटना के बाद विमान में आग लग गई, जिसके बाद लगातार चार से पांच विस्फोट हुए। एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी प्रमोद मदुरीकर ने बताया कि हादसे के तुरंत बाद शवों की पहचान करके उन्हें एंबुलेंस में भेज दिया गया, जबकि बचाव व आपात अभियान में मदद के लिए दमकल विभाग के कर्मी लगभग उसी समय घटनास्थल पर पहुंच गए।

महाराष्ट्र में तीन दिन का राजकीय शोक

महाराष्ट्र सरकार ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार के सम्मान में तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। यह शोक 28 जनवरी से 30 जनवरी तक मनाया जाएगा। इस दौरान सभी सरकारी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। शोक की अवधि में कोई भी सरकारी मनोरंजन कार्यक्रम नहीं होगा। अजित पवार के निधन के कारण बुधवार को महाराष्ट्र के सभी सरकारी कार्यालय भी बंद रहेंगे।

विमान में कोई तकनीकी खराबी नहीं थी

इस बीच वीएसआर वेंचर्स ने कहा है कि पायलट को 16 हजार घंटे का फ्लाइंग एक्सपीरियंस था। विमान की को–पायलट के पास 1500 घंटे का एक्सपीरियंस था। कंपनी ने दावा किया कि एयरक्राफ्ट में कोई तकनीकी खामी नहीं थी।

शोक जताया

"अजित पवार जननेता थे और उनका जमीनी स्तर पर गहरा जुड़ाव था। महाराष्ट्र की जनता की सेवा में वह हमेशा समर्पित रहे और एक परिश्रमी नेता के रूप में उनका व्यापक सम्मान था। प्रशासनिक मामलों की उनकी समझ तथा गरीबों व वंचितों को सशक्त बनाने के प्रति उनका समर्पण भी उल्लेखनीय था। उनकी असामयिक मृत्यु से बेहद दुखी और स्तब्ध हूं। उनके परिवार और उनके असंख्य समर्थकों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ओम शांति!

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

"आज एक दु:खद हादसे में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री और एनडीए के हमारे वरिष्ठ साथी अजित पवार जी को खो देने की सूचना से मन अत्यंत व्यथित है. अजित पवार जी ने बीते साढ़े तीन दशकों में जिस प्रकार महाराष्ट्र के हर वर्ग के कल्याण के लिए खुद को समर्पित किया, उसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।

- अमित शाह, गृह मंत्री

"अजित पवार जी और उनके साथ यात्रा करने वालों की आज विमान हादसे में निधन की ख़बर अत्यंत पीड़ादायक है। इस शोक के पल में महाराष्ट्र की जनता के साथ हूं. समस्त पवार परिवार और प्रियजनों को इस दुख की घड़ी में अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

- राहुल गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष

"अजित पवार खुले दिल के इंसान थे और जो कहना होता था, साफ कहते थे। वे मन में बात दबाकर रखने वाले नेता नहीं थे और मतभेदों के बावजूद रिश्तों को निभाना जानते थे। राजनीति में अलग रास्ता चुनने के बावजूद अजित पवार ने व्यक्तिगत संबंधों को कभी टूटने नहीं दिया।

- उद्धव ठाकरे, शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) प्रमुख

"पूरे महाराष्ट्र में दुख का वातावरण है। ऐसे जननेता को खोना हम सबके लिए बहुत बड़ी हानि है। ये मेरे लिए बड़ी व्यक्तिगत क्षति है। वो महाराष्ट्र के विकास में लगातार योगदान दे रहे थे और लग रहा था कि वो बड़ी राजनीतिक पारी खेलेंगे, तो ऐसे समय में उनका चले जाना बेहद दुखद है। मैं उनके वृहद राष्ट्रवादी परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं।

-देवेंद्र फडणवीस, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री

"यह बेहद पीड़ादायक और दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। यह सिर्फ पवार परिवार का नहीं, बल्कि पूरे महाराष्ट्र का नुकसान है। मुझे ऐसा महसूस हो रहा है जैसे मैंने अपने बड़े भाई को खो दिया हो।

एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री

ममता, खरगे और अखिलेश ने उठाई जांच की मांग

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार से संबंधित विमान हादसे पर दुख जताते हुए इस मामले की जांच की मांग की।

अंतिम संस्कार आज, पीएम मोदी और शाह हो सकते हैं शामिल

महाराष्ट्र के दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार का गुरुवार को पुणे जिले के बारामती में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने बताया कि अजित पवार का अंतिम संस्कार पूर्वाह्न 11 बजे विद्या प्रतिष्ठान मैदान में होगा। पार्टी के अनुसार, अंतिम संस्कार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के शामिल होने की उम्मीद है। अन्य दलों के नेताओं के भी उपस्थित रहने का अनुमान है।

200 बार दुर्घटनाग्रस्त हो चुका है लियरजेट विमान

लियरजेट के विमान कई बार दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। एक आंकड़े के अनुसार, अब तक दुनिया में 200 लियरजेट प्लेन दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं।

कौन थे जान गंवाने वाले चार अन्य

- पीएसओ एचसी विदिप जाधव
- पायलट कैप्टन सुमित कपूर
- सहायक पायल कैप्टन सांभवी पाठक
- विमान क्रू सदस्य पिंकी माली

दिल्ली में थीं पत्नी सुनेत्रा, बेटा पार्थ और बहन सुप्रिया

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के विमान दुर्घटना की खबर जिस वक्त मिली, उनकी पत्नी व राज्यसभा सांसद सुनेत्रा पवार अपने बेटे पार्थ पवार के साथ दिल्ली में थीं। वह बुधवार से शुरू संसद के बजट सत्र में भाग लेने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में थीं।

संसद के दोनों सदनों में पवार को श्रद्धांजलि

संसद के दोनों सदनों में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार को श्रद्धांजलि दी गई। स्पीकर ओम बिरला ने संसद के बजट सत्र के पहले दिन सदन में अजित पवार के निधन की सूचना देते हुए कहा कि वह बारामती से 10वीं लोकसभा के सदस्य थे। वह छह बार महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री रहे। अजित पवार ने महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट और राज्यमंत्री के रूप में अपनी सेवाएं दीं। वे आठ बार महाराष्ट्र विधानसभा के सदस्य भी रहे।

न्यूज़ ब्रीफ

आयुक्त के आदेश की अनदेखी, भूख हड़ताल शुरू

डोंबिवली। कल्याण-डोंबिवली नगर निगम के आयुक्त अभिनव गोयल ने करीब बीस दिन पहले डोंबिवली पश्चिम के देवीचापाड़ा और कोपर बे क्षेत्रों में चल रहे अवैध चॉलों के निर्माण को ध्वस्त करने का स्पष्ट आदेश दिया था। यह जिम्मेदारी एच वार्ड के सहायक आयुक्त राजेश सावंत को सौंपी गई थी। हालांकि, आयुक्त के सख्त निर्देशों के बावजूद अब तक इन अवैध निर्माणों पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। नगर प्रशासन की निष्क्रियता से नाराज होकर एक शिकायतकर्ता ने मुंबई के आजाद मैदान में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि प्रशासन जानबूझकर भू-माफियाओं को संरक्षण दे रहा है और आयुक्त के आदेशों को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। इस विरोध प्रदर्शन ने अब नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों पर दबाव बढ़ा दिया है, क्योंकि यह मामला सीधे तौर पर भ्रष्टाचार और लापरवाही से जुड़ा नजर आ रहा है। भूख हड़ताल पर बैठे प्रदर्शनकारी की मुख्य मांग है कि इन अवैध चॉलों को तुरंत ध्वस्त किया जाए। साथ ही, उन्होंने अवैध निर्माण का कथित तौर पर समर्थन करने वाले उपायुक्त भूमकर और सहायक आयुक्त राजेश सावंत को तत्काल निलंबित करने की भी मांग की है। शिकायतकर्ता का मानना है कि इन अधिकारियों की मिलीभगत के बिना इतना बड़ा अवैध निर्माण संभव नहीं है। अब देखना यह है कि इस आंदोलन के बाद नगर निगम प्रशासन क्या कदम उठाता है।

महिला मित्र के हत्यारोपी संतोष गावड़े दोषमुक्त

मुंबई .मुंबई की एक सत्र अदालत ने भायंदर निवासी संतोष गावड़े को हत्या के आरोपों से बरी कर दिया है। संतोष पर 2014 में अंधेरी स्थित एक मित्र के घर पर बहस के दौरान अपनी महिला मित्र सारिका को मिट्टी का तेल (केरोसिन) डालकर जिंदा जलाने का आरोप था। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष यह साबित करने में पूरी तरह विफल रहा है कि यह मृत्यु एक इरादतन हत्या थी।अदालत ने पुलिस जांच में कई गंभीर लापरवाही नोट कीं। घटनास्थल के पंचनामे में कमरे में न तो मिट्टी के तेल की गंध मिली और न ही फर्श पर केरोसिन के निशान पाए गए। सबसे बड़ी चूक यह रही कि पुलिस ने पीड़िता के कपड़ों को जब्त कर फोरेंसिक जांच के लिए नहीं भेजा, जिससे यह साबित हो पाता कि केरोसिन का इस्तेमाल हुआ था या नहीं।

फर्जी पुलिस बनकर विदेशी महिला से लूट

मुंबई। मुंबई के पॉश इलाके फोर्ट में मंगलवार दोपहर एक चौंकाने वाली घटना घटी, जहां खुद को पुलिसकर्मी बताकर दो अज्ञात बाइक सवारों ने केन्या की एक महिला व्यापारी से 66 लाख 45 हजार रुपये लूट लिए। यह वारदात एमजी रोड स्थित अलाना सेंटर बिल्डिंग के पास हुई। विदेशी महिला की शिकायत पर एमआरए मार्ग पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पीड़िता की पहचान 26 वर्षीय सुमय्या मोहम्मद आब्दी के रूप में हुई है, जो केन्या के नैरोबी शहर की निवासी हैं। वे बच्चों के कपड़ों का व्यापार करती हैं और इसी सिलसिले में 26 जनवरी को भारत आई थीं। मुंबई में वे मोहम्मद अली रोड स्थित अल इब्राहीम होटल में ठहरी हुई थीं। उन्हें अंदाज़ा भी नहीं था कि अगले ही दिन उनके साथ इतनी बड़ी वारदात हो जाएगी।

दो नाबालिग गर्भवती लड़कियों को गर्भपात की इजाजत देने से इनकार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

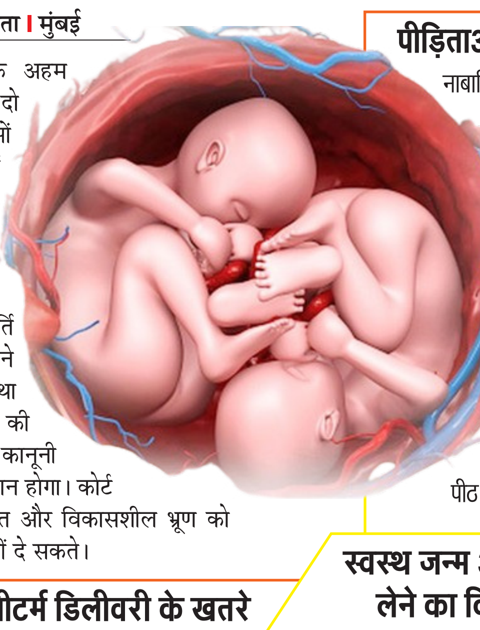

बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाते हुए दो नाबालिग दुष्कर्म पीड़िताओं को 28 सप्ताह के गर्भ को चिकित्सकीय रूप से समाप्त करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। न्यायमूर्ति रवींद्र वी. घुगे और न्यायमूर्ति अभय जे. मंत्री की पीठ ने स्पष्ट किया कि गर्भावस्था के इस चरण में गर्भपात की अनुमति देना नैतिक और कानूनी रूप से 'भ्रूण हत्या' के समान होगा। कोर्ट ने कहा कि वे एक जीवित और विकासशील भ्रूण को खत्म करने का आदेश नहीं दे सकते।

पीड़िताओं की देखभाल और सरकारी जिम्मेदारी

नाबालिग माताओं की सुरक्षा और देखभाल सुनिश्चित करने के लिए कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। माता-पिता अपनी बेटियों को घर पर रख सकते हैं या कोर्ट द्वारा सुझाए गए दो बाल कल्याण केंद्रों—नवी मुंबई स्थित 'विश्व बालक केंद्र' या डोंबिवली स्थित 'जननी आशीष चैरिटेबल ट्रस्ट'—में से किसी एक को चुन सकते हैं। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि डिलीवरी, प्रसवोत्तर देखभाल और वहां रहने का पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। पीड़िता जब तक चाहे, इन सुविधाओं में रह सकती है।

मेडिकल बोर्ड की राय: जीवित जन्म की प्रबल संभावना

पीठ ने मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि दोनों मामलों में भ्रूण 28 सप्ताह के हो चुके हैं और उनमें कोई भी जन्मजात असामान्यता या शारीरिक कमी नहीं पाई गई है। डॉक्टरों की राय है कि यदि इस समय गर्भावस्था को खत्म करने के लिए जबरदस्ती प्री-टर्म डिलीवरी कराई जाती है, तो भी जीवित बच्चा पैदा होने की बहुत अधिक संभावना है। ऐसे में समय से पहले पैदा हुए बच्चे को गहन चिकित्सा (ICU) और विशेष देखभाल की आवश्यकता होगी, जिससे बच्चे के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

भ्रूण हत्या और प्रीटर्म डिलीवरी के खतरे

अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए कहा कि प्री-टर्म डिलीवरी (समय से पहले प्रसव) कराने का नुकसान यह है कि बच्चे को जबरन दुनिया में लाया जाएगा और फिर उसके जीवित रहने के लिए संघर्ष करना होगा। इसके विपरीत, दूसरा विकल्प सीधे तौर पर भ्रूण हत्या करना है, जिसे कोर्ट ने मानने से साफ इनकार कर दिया। पीठ ने तर्क दिया कि यदि भ्रूण को अपनी पूरी अवधि (40 सप्ताह) तक विकसित होने दिया जाए, तो एक स्वस्थ बच्चे का जन्म सुनिश्चित होगा, जो प्राकृतिक और सुरक्षित है।

स्वस्थ जन्म और गोद लेने का विकल्प

कोर्ट ने सुझाव दिया कि एक स्वस्थ बच्चे के जन्म को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यदि नाबालिग मां या उनका परिवार बच्चे को नहीं रखना चाहता, तो बच्चे के जन्म के बाद उसे गोद लेने (Adoption) के लिए दिया जा सकता है। पीठ ने कहा कि समाज में ऐसे कई निसंतान जोड़े हैं जो एक स्वस्थ बच्चे को गोद लेने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इससे बच्चे को जीवन मिलेगा और किसी परिवार को खुशियां, जो भ्रूण हत्या से कहीं बेहतर विकल्प है।

मीरा-भायंदर में फ्लाईओवर 4-लेन से 2-लेन हुआ

▶▶ सोशल मीडिया पर डिजाइन का मजाक बना
▶▶ बीजेपी सरकार में ऐसे जानलेवा चमत्कार आम बात: कांग्रेस

डीबीडी संवाददाता | भायंदर

मीरा-भायंदर इलाके में मेट्रो लाइन-9 परियोजना के तहत निर्मित नए डबल डेकर फ्लाईओवर की अनोखी डिजाइन को लेकर विवाद छिड़ गया है। लगभग 100 करोड़ रुपए की लागत से बने इस फ्लाईओवर की संरचना ऐसी है कि यह शुरुआत में चार लेन (Four Lane) का है, लेकिन आगे चलकर अचानक यह सिमटकर सिर्फ दो लेन (Two Lane) का रह जाता है। सोशल मीडिया पर लोग इसे 'इंजीनियरिंग का अद्भुत नमूना' कहकर तंज कस रहे हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि चार लेन से दो लेन में अचानक बदलाव के कारण यह एक 'बॉटलनेक' बन जाएगा, जिसे उन्होंने 'डेथ ट्रैप' और 'आसमान में लगने वाला जाम' की संज्ञा दी है।

विपक्ष का हमला

इस मुद्दे पर राजनीति भी गरमा गई है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे भाजपा सरकार का एक और 'जानलेवा चमत्कार' करार दिया है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि सरकार को जनता की सुरक्षा से कोई सरोकार नहीं है। वहीं, शिवसेना (UBT) नेता आदित्य ठाकरे ने भी आलोचना करते हुए कहा कि इस त्रुटिपूर्ण डिजाइन से ट्रैफिक कम होने के बजाय और बढ़ेगा।

एमएमआरडीए की सफाई

तमाम आलोचनाओं के बीच मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (MMRDA) ने फ्लाईओवर की डिजाइन में किसी भी खामी से इनकार किया है। प्राधिकरण का तर्क है कि यह लेआउट 'राइट ऑफ वे' (Right of Way) की सीमाओं और भविष्य की विस्तार योजनाओं को ध्यान में रखकर बनाया गया है। अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल भायंदर (पूर्व) की ओर 2-लेन बनाई गई हैं, जबकि भायंदर (पश्चिम) की दिशा में भविष्य में दो अतिरिक्त लेन जोड़ने का प्रावधान रखा गया है। एमएमआरडीए ने दावा किया है कि सुरक्षा के लिए साइनेज और क्रैश बैरियर्स लगाए गए हैं। सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया ने एमएमआरडीए की सफाई को खारिज करते हुए इस डिजाइन को यात्रियों के लिए असुरक्षित बताया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए सितंबर 2022 में उद्योगपति साइरस मिस्त्री की सड़क दुर्घटना में हुई मौत का उदाहरण दिया, जो खराब ब्रिज डिजाइन का ही परिणाम थी।

पनवेल कोर्ट रूम में आत्महत्या का प्रयास

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

नवी मुंबई के पनवेल सिविल कोर्ट में बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक 51 वर्षीय व्यक्ति ने कोर्ट रूम के भीतर ही फिनाइल जैसा पदार्थ पीकर आत्महत्या करने की कोशिश की। इस घटना से वकीलों और अदालत के कर्मचारियों के बीच दहशत फैल गई। व्यक्ति की पहचान करंजाडे निवासी राजेश मिराया परदेशी के रूप में हुई है। उन्हें तुरंत पनवेल के उप-जिला अस्पताल ले जाया गया, जहाँ फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

पारिवारिक भूमि विवाद के कारण तनाव

पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, राजेश परदेशी अपने रिश्तेदारों के साथ चल रहे एक लंबे दीवानी विवाद (Civil Dispute) के कारण अत्यधिक तनाव में थे। वह अपने ही परिवार के सदस्यों के साथ जमीन के मालिकाना हक को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। यह मामला साल 2022 से पनवेल कोर्ट में लंबित है, और इसी मुकदमे की कार्यवाही से परेशान होकर उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया। बुधवार को राजेश मामले की निर्धारित सुनवाई के लिए अदालत पहुंचे थे। कार्यवाही के दौरान, उन्होंने कथित तौर पर एक बोतल में लाया गया फिनाइल जैसा तरल पदार्थ पी लिया। कुछ समय बाद जब उनकी तबीयत बिगड़ने लगी, तब यह घटना सामने आई और उन्हें तुरंत चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि फिलहाल वह खतरे से बाहर हैं और मामले की आगे की जांच की जा रही है।

मरीजों को मेडिकल क्लेम का पूरा पैसा देने का आदेश

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने बीमा धारकों के हक में एक बड़ा फैसला सुनाते हुए निर्देश दिया है कि कोरोना काल के दौरान इलाज में इस्तेमाल हुए पीपीई किट, मास्क और दस्तानों का खर्च बीमा कंपनियों को उठाना होगा। न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति आर.एन. लड्ढा की पीठ ने स्पष्ट किया कि महामारी के दौरान ये वस्तुएं इलाज का एक अनिवार्य हिस्सा थीं और 'मेडिकली जरूरी' खर्चों की श्रेणी में आती हैं। अदालत ने कहा कि इलाज के दौरान इनका उपयोग अपरिहार्य था, इसलिए बीमा कंपनियां इनका भुगतान करने से इनकार नहीं कर सकतीं।

सुरक्षा के लिए अनिवार्य थे ये उपकरण

पीठ ने पाया कि अस्पतालों ने मरीजों से पीपीई किट और अन्य सुरक्षा उपकरणों के लिए भारी रकम वसूली थी। कोर्ट ने तर्क दिया कि इनका उपयोग न केवल डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ को वायरस से बचाने के लिए किया गया था, बल्कि मरीज को अस्पताल के माहौल में अन्य संक्रमणों से सुरक्षित रखने के लिए भी ये बेहद जरूरी थे। इसलिए, बीमा कंपनियां इसे 'गैर-चिकित्सीय' (non-medical) खर्च बताकर क्लेम खारिज नहीं कर सकतीं। यह इलाज की प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग था।

हेल्थ वर्कर के प्रति सरकार की विफलता पर टिप्पणी

मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की कि याचिकाकर्ता जिगीशा यादव एक हेल्थ वर्कर थीं जो डिस्पेंसरी में मरीजों की सेवा करते हुए संक्रमित हुई थीं। कोर्ट ने कहा कि असल में यह राज्य सरकार की नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी थी कि वह उन्हें मुआवजा देती और इलाज का खर्च उठाती, लेकिन सरकार ऐसा करने में विफल रही। चूंकि जिगीशा के पास निजी बीमा था, इसलिए कोर्ट ने बीमा कंपनी को भुगतान करने का निर्देश दिया ताकि उन्हें राहत मिल सके।

बीमा कंपनियों को 6 सप्ताह का अल्टीमेटम

अदालत ने बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस और रिलायंस जनरल इंश्योरेंस को निर्देश दिया है कि वे याचिकाकर्ताओं—हेमांगी नीलेश मोदी और जिगीशा मनोज यादव—को 6 सप्ताह के भीतर पूरी राशि का भुगतान करें। कोर्ट ने आदेश दिया कि अस्पतालों द्वारा बिल में दिखाए गए पीपीई किट, मास्क और दस्तानों की जो राशि बीमा कंपनियों ने पहले काट ली थी या देने से मना कर दिया था, उसे अब पॉलिसी के हिस्से के रूप में वापस (Reimburse) करना होगा।

लाखों का क्लेम हुआ था रिजेक्ट

आंकड़ों पर नजर डालें तो जिगीशा को अस्पताल ने 2.61 लाख रुपए का बिल दिया था, जिसमें से बीमा कंपनी ने पीपीई किट आदि के करीब 1.60 लाख रुपए देने से मना कर दिया था। वहीं, हेमांगी मोदी का बिल 4.44 लाख रुपए था, जिसमें से कंपनी ने केवल 69 हजार रुपए चुकाए थे और पीपीई किट व अन्य मदों के करीब 3.74 लाख रुपए रोक लिए थे। हाई कोर्ट के इस आदेश के बाद अब दोनों पीड़ितों को उनकी लाखों रुपए की बकाया राशि वापस मिल सकेगी।

ठाणे जिला पुस्तकालय कार्यालय को मिलेगा अपना स्थाई भवन

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

नेरुल में कई वर्षों से किराए के परिसर में चल रहे ठाणे जिला पुस्तकालय अधिकारी कार्यालय को जल्द ही ऐरोली में अपना स्थाई भवन मिलने जा रहा है। सिडको (CIDCO) ने ऐरोली के सेक्टर 8 में इस परियोजना के लिए एक भूखंड आवंटित किया है। यह कदम विभाग की उस लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करता है जो 2008 से लंबित थी। इस स्थाई ठिकाने के मिल जाने से विभाग की प्रशासनिक निर्भरता और बुनियादी ढांचे की समस्या समाप्त हो जाएगी।

आधुनिक सुविधाएं और वित्तीय स्वीकृति

इस महत्वाकांक्षी परियोजना को 15 करोड़ रुपए की पूर्ण प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है। वर्तमान में नेरुल के सीमित स्थान के कारण विभाग स्मार्ट और डिजिटल लाइब्रेरी जैसी आधुनिक सुविधाएं शुरू करने में असमर्थ था। नए भवन को अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ डिजाइन किया गया है, जिसमें डिजिटल लाइब्रेरी और उन्नत बुनियादी ढांचा शामिल होगा। नए साल में फंड आवंटन की प्रक्रिया शुरू होने के बाद इसका निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। ऐरोली में इस केंद्रीय कार्यालय की स्थापना से ठाणे जिले के छात्रों, शोधकर्ताओं और आम जनता को बड़ा लाभ होगा, क्योंकि सभी पुस्तकालय सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी। अधिकारियों का मानना है कि यह केंद्र न केवल प्रशासनिक दक्षता में सुधार करेगा, बल्कि ऐरोली को जिले में पुस्तकालय प्रशासन और सार्वजनिक शिक्षा के एक प्रमुख केंद्र के रूप में भी स्थापित करेगा।

'फुल सर्कल' संस्था का कपड़ा कचरा संग्रह अभियान

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

नवी मुंबई में स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में 'फुल सर्कल' नामक संस्था ने एक सराहनीय पहल शुरू की है। एक कपड़ा रीसाइक्लिंग प्लांट के साथ साझेदारी में शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य पुराने और बेकार कपड़ों का सही निपटान करना है। इस अभियान की खास बात यह है कि नागरिक अपने पुराने कपड़े, कतरनें और किसी भी प्रकार के टेक्सटाइल वेस्ट को रिसाइकिल करने के लिए दे सकते हैं, चाहे उनकी स्थिति कैसी भी हो।

डोरस्टेप पिकअप और आसान प्रक्रिया

संस्था के संस्थापकों, मोइज़ और तसनीम टांकीवाला ने बताया कि इस प्रक्रिया को नागरिकों के लिए बेहद सरल बनाया गया है। इच्छुक निवासी अपना पता साझा करके पंजीकरण करा सकते हैं, जिसके एक सप्ताह के भीतर उनके घर से कपड़े लेने (Doorstep Pickup) की व्यवस्था की जाती है। प्रतिभागियों को बस अपने पैक किए हुए कपड़े सोसायटी के गेट पर रखने होते हैं, जहाँ से एक रीसाइक्लिंग ट्रक उन्हें इकट्ठा कर लेता है।

रवि पुजारी की फिर हिरासत में लेने की तैयारी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई पुलिस की जबरन वसूली विरोधी सेल (AEC) कुख्यात गैंगस्टर रवि पुजारी को एक बार फिर अपनी हिरासत में लेने की तैयारी कर रही है। यह मामला सांताक्रूज पुलिस स्टेशन में 2014 में दर्ज 2 करोड़ रुपये की रंगदारी और धमकी से जुड़ा है। सूत्रों के अनुसार, इस संबंध में गुरुवार को एस्प्लेनेड कोर्ट में सुनवाई होगी, जहाँ पुलिस आगे की पूछताछ के लिए पुजारी की कस्टडी की मांग करेगी।

2 करोड़ की रंगदारी और जान से मारने की धमकी

यह मामला सांताक्रूज (पश्चिम) स्थित 'रीगल मार्बल्स' के मालिक एक 45 वर्षीय व्यवसायी की शिकायत पर आधारित है। अगस्त 2014 में, रवि पुजारी ने कथित तौर पर अंतरराष्ट्रीय नंबरों से कॉल करके व्यवसायी से 2 करोड़ रुपये की मांग की थी। व्यवसायी द्वारा टालने की कोशिश करने पर पुजारी ने उनके ऑफिस के लैंडलाइन पर कॉल किया और क्लर्क व अन्य कर्मचारियों को धमकाते हुए कहा, ₹अपने मालिक से कहो कि मुझे 2 करोड़ रुपये चाहिए, वरना मैं पूरी दुकान उड़ा दूंगा।

दोबारा खोदकर बनानी पड़ी बनीं हुई सड़क

▶▶ मनपा आयुक्त मनीषा अव्हाले ने तुरंत संयुक्त निरीक्षण का आदेश दिया

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर कैंप 4 में नेताजी चौक से कैलाश कॉलोनी चौक तक नवनिर्मित सड़क को गुणवत्ता में कमी के कारण फिर से बनाया जा रहा है। दरअसल, गीली सड़क पर रात के समय कुत्तों के चलने और वाहनों के गुजरने से निशान बन गए थे और कुछ जगहों पर दरारें भी आ गई थीं। स्थानीय समाजसेवी सत्यजीत बर्मन की शिकायत पर मनपा आयुक्त मनीषा अव्हाले ने तुरंत संयुक्त निरीक्षण का आदेश दिया। जांच दल को काली माता मंदिर के पास सड़क पर स्पष्ट त्रुटियां मिलीं, जिसके बाद प्रशासन ने खराब हिस्सों को तोड़कर नए सिरे से बनाने का कड़ा निर्णय लिया।

ठेकेदार को निर्देश और सुधार कार्य

यूएमसी के निष्कर्षों के आधार पर, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंट 'पेंटैकल कंसल्टेंट्स' ने ठेकेदार को औपचारिक निर्देश जारी किए। आदेश के अनुसार, छोटी दरारों की मरम्मत की जा रही है, जबकि टायरों और कुत्तों के निशानों से क्षतिग्रस्त हुए हिस्सों को पूरी तरह तोड़कर दोबारा बनाया जा रहा है। ठेकेदार ने अपनी गलती मानते हुए सुधार कार्य शुरू कर दिया है और कार्यकर्ताओं द्वारा दिए गए अन्य सुझावों पर भी अमल करने का आश्वासन दिया है। यह पूरी कवायद एक जागरूक नागरिक की सतर्कता का परिणाम है, जिससे सार्वजनिक धन का सही उपयोग सुनिश्चित हो सका।

ठाणे में शुक्रवार को 6 घंटे की जलापूर्ति बाधित

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे महानगरपालिका ने आवश्यक मरम्मत और सफाई कार्यों के चलते शुक्रवार, 30 जनवरी 2026 को शहर के कई हिस्सों में 6 घंटे के लिए पानी की आपूर्ति बंद रखने की घोषणा की है। यह शटडाउन सुबह 9:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक प्रभावी रहेगा। अधिकारियों के अनुसार, यह कदम किरावली स्थित मुख्य जल चैनल में हो रहे रिसाव (लीकेज) को ठीक करने और इंदिरानगर नाले की सफाई के लिए उठाया गया है, ताकि भविष्य में सुचारू जल वितरण सुनिश्चित किया जा सके। इस दौरान STEM प्राधिकरण द्वारा ज़ोनिंग के आधार पर कुछ हद तक आपूर्ति जारी रहेगी।

प्रभावित क्षेत्र और नागरिकों से अपील

इस कटौती का सीधा असर घोड़बंदर रोड, वर्तकनगर, लोकमान्यनगर, श्रीनगर, गांधीनगर, रितुपार्क, समतानगर, रुस्तमजी, सिद्धांचल और किसाननगर जैसे प्रमुख रिहायशी इलाकों पर पड़ेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आपूर्ति बहाल होने के बाद भी अगले 1 से 2 दिनों तक पानी का दबाव कम रहने की संभावना है। अतः महानगरपालिका ने सभी नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे असुविधा से बचने के लिए आवश्यकतानुसार पानी का भंडारण पहले ही कर लें और प्रशासन का सहयोग करें।

पॉलिश के बहाने बुजुर्ग महिला से लाखों की ठगी

▶▶ दो शातिर आरोपी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | पालघर

बोईसर पुलिस ने एक बुजुर्ग महिला से सोने के गहने ठगने वाले दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। घटना 13 जनवरी की है, जब 73 वर्षीय हंसी देवी रौतेला को इन ठगों ने गहने पॉलिश करने का झांसा दिया। आरोपियों ने महिला को बातों में उलझाकर उनके 3.50 लाख रुपये मूल्य के गहने उतरवा लिए और बदले में कागज के टुकड़ों से भरा रूमाल थमाकर मौके से फरार हो गए।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई और बरामदगी

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुनील जाधव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तकनीकी जांच और गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए ठाणे के धीरज राठौड़ और अंधेरी (मुंबई) के दिनेश सोलंकी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 45.320 ग्राम सोने के गहने बरामद कर लिए हैं। जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी आदतन अपराधी हैं और उन पर पहले भी धोखाधड़ी के कई मामले दर्ज हैं।

मुंबई महापौर चुनाव में होगी देरी

डिप्टी सीएम अजित पवार के निधन से प्रक्रिया थमी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान दुर्घटना में हुए आकस्मिक निधन से पूरा राज्य स्तब्ध है। इस दुखद घटना का असर अब मुंबई महानगर पालिका (BMC) की चुनावी प्रक्रियाओं पर भी पड़ा है। मुंबई के नए महापौर के चयन का इंतजार अब और लंबा हो सकता है। राज्य में तीन दिवसीय राजकीय शोक घोषित किए जाने के कारण महापौर चुनाव की प्रक्रिया में विलंब होना तय माना जा रहा है। महापौर चुनाव की प्रक्रिया के तहत, बुधवार को भाजपा और शिवसेना (शिंदे गुट) के नवनिर्वाचित नगरसेवकों को अपने गुट (Group) का

कोंकण भवन में पंजीकरण रुका

आधिकारिक पंजीकरण कराने के लिए कोंकण भवन जाना था। लेकिन उपमुख्यमंत्री के निधन की खबर आते ही यह कार्यक्रम रद्द कर दिया गया और पंजीकरण नहीं हो सका। अधिकारियों के मुताबिक, जब तक गुट पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक महापौर चुनाव की तारीख की घोषणा नहीं की जा सकती।

आयुक्त गगरानी होंगे पीठासीन अधिकारी

मनपा अधिकारियों ने प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि महापौर चुनाव के लिए विशेष जनरल बॉडी बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें सभी 227 नगरसेवक हिस्सा लेंगे। इस चुनावी सभा के पीठासीन अधिकारी मनपा आयुक्त भूषण गगरानी रहेंगे। राजनीतिक दलों का पंजीकरण पूरा होने के बाद मनपा सचिव चुनाव की तारीख तय करेंगे। संभावना जताई जा रही है कि महापौर और उप-महापौर का चुनाव एक ही दिन संपन्न कराया जाएगा।

7 दिन के भीतर चुनाव कराना अनिवार्य

नियमों के अनुसार, सभी राजनीतिक दलों की पंजीकरण प्रक्रिया पूरी होने के बाद 7 दिनों के भीतर महापौर का चुनाव कराना अनिवार्य होता है। चूंकि अब पंजीकरण ही टल गया है, इसलिए चुनाव की समयसीमा भी आगे खिसक गई है। अब राजकीय शोक समाप्त होने के बाद ही नई तारीखों पर विचार किया जाएगा।

सुरक्षा का खर्च उठाओ, तभी मिलेगी पैरोल: कोर्ट

गैंगस्टर अबू सलेम की इमरजेंसी पैरोल याचिका पर 2 फरवरी को सुनवाई

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने 1993 मुंबई बम धमाकों के मुख्य आरोपी गैंगस्टर अबू सलेम की इमरजेंसी पैरोल याचिका पर कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि सलेम अपने पैतृक गांव जाना चाहता है, तो उसे पुलिस एस्कॉर्ट (सुरक्षा दस्ता) का पूरा खर्च खुद उठाना होगा। न्यायमूर्ति अजय गडकरी और न्यायमूर्ति श्याम चंडक की पीठ ने कहा कि बिना पुलिस सुरक्षा के उसे रिहा नहीं किया जा सकता और यदि वह इसका भुगतान करने में सक्षम नहीं है, तो उसे पैरोल पर जाने की

अनुमति नहीं दी जाएगी।

अबू सलेम ने अपने भाई अबू हाकिम अंसारी के निधन पर शोक मनाने के लिए 14 दिनों की इमरजेंसी पैरोल मांगी थी। उनके भाई की मौत 14 नवंबर 2025 को हुई थी। सलेम उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ स्थित अपने पैतृक गांव जाना चाहता है। राज्य सरकार और जांच एजेंसियों ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए बिना पुलिस एस्कॉर्ट के उसे भेजने का कड़ा विरोध किया है, जिसके चलते यह मामला अदालत में विचाराधीन है। सलेम की वकील फरहाना शाह ने अदालत में दलील दी कि उनका मुवक्किल पिछले दो दशकों से अधिक समय से जेल में बंद है, इसलिए वह लाखों रुपये का पुलिस एस्कॉर्ट खर्च उठाने में आर्थिक रूप से असमर्थ है। उन्होंने बिना पुलिस एस्कॉर्ट के पैरोल देने की मांग की। इस पर पीठ ने सख्ती दिखाते हुए कहा, 'यदि वे पुलिस एस्कॉर्ट का भुगतान नहीं कर सकते, तो मत जाओ।' कोर्ट ने साफ किया कि सुरक्षा के बिना रिहाई का जोखिम नहीं लिया जा सकता।

अगली सुनवाई 2 फरवरी को

अदालत के सख्त रवैये को देखते हुए वकील फरहाना शाह ने सलेम से पुलिस एस्कॉर्ट के खर्च के बारे में निर्देश लेने के लिए समय मांगा। उन्होंने कहा कि वे अपने क्लाइंट से बात करेंगी कि क्या वह भुगतान कर सकता है। इस पर पीठ ने अनुरोध स्वीकार करते हुए मामले की अगली सुनवाई 2 फरवरी तक के लिए टाल दी है। अब देखना होगा कि क्या सलेम सुरक्षा खर्च भरने को तैयार होता है या उसकी याचिका खारिज हो जाएगी।

सुरक्षा एजेंसियों और सीबीआई की चिंता

सीबीआई के वकील अमित मुंडे ने राज्य सरकार के रुख का समर्थन किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश पुलिस की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि आजमगढ़ का सरायमीर थाना क्षेत्र सांप्रदायिक रूप से अत्यंत संवेदनशील है। पुलिस अधिकारी ने आशंका जताई है कि सलेम की वहां मौजूदगी से इलाके की शांति और कानून-व्यवस्था बिगड़ सकती है। इसी आधार पर एजेंसियों ने उसे केवल 2 दिन की पैरोल देने या बिना सुरक्षा के न भेजने का सुझाव दिया है।

अनिल अंबानी की मुश्किलें बढ़ीं

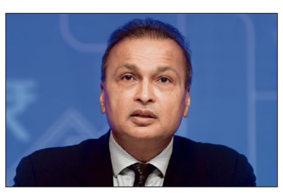

ईडी ने 1800 करोड़ की संपत्ति की जब्त

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी की कंपनियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने बड़ी कार्रवाई की है। मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत एजेंसी ने बुधवार को ग्रुप की 1,800 करोड़ रुपये से ज्यादा की नई संपत्तियां जब्त कर ली हैं। इस ताजा कार्रवाई के साथ ही इस मामले में अब तक कुल 12,000 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की जा चुकी है।

क्या-क्या हुआ जब्त?

ईडी ने यह कार्रवाई 'प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट' (पीएमएलए) के तहत की है। जब्त की गई नई संपत्तियों में शामिल हैं रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की बीएसईएस (बीएसईएस) यमुना पावर और बीएसईएस राजधानी पावर में हिस्सेदारी। मुंबई मेट्रो वन प्राइवेट लिमिटेड में कंपनी के शेयर्स। इसके अलावा, कंपनी के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के मकान और म्यूचुअल फंड्स को भी जब्त किया गया है।

क्या है 'पैसों की हेराफेरी' का आरोप?

- **यस बैंक कनेक्शन:** आरोप है कि रिलायंस निप्पॉन म्यूचुअल फंड ने सेबी के कड़े नियमों से बचने के लिए सीधे अपनी ग्रुप कंपनियों में पैसा नहीं लगाया। इसके बजाय, उन्होंने यह पैसा यस बैंक के जरिए रिलायंस होम फाइनेंस और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस तक पहुचाया। बाद में यह पैसा डूब गया और लोन 'नॉन-परफॉर्मिंग' यानी एनपीए हो गए।
- **लोन की हेराफेरी:** रिलायंस कम्युनिकेशंस और उसकी ग्रुप कंपनियों पर बैंकों का करीब 40,185 करोड़ रुपये बकाया है। ईडी का दावा है कि कंपनी ने लोन के 13,600 करोड़ रुपये पुराने कर्ज चुकाने में और 12,600 करोड़ रुपये अपनी ही दूसरी पार्टियों को भेजने में खर्च कर दिए।
- **विदेश भेजा पैसा:** जांच एजेंसी ने यह भी पाया कि बिल डिस्काउंटिंग के नाम पर भारी गड़बड़ी की गई और कुछ लोन का पैसा भारत से बाहर (Foreign Remittances) भेज दिया गया। हालांकि, अनिल अंबानी ग्रुप की कंपनियों ने पहले किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया था।

'अजित पवार के निधन पर ओछी राजनीति गलत'

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बारामती विमान हादसे में अजित पवार के निधन पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की टिप्पणी को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है। फडणवीस ने ममता बनर्जी पर एक दुखद मानवीय त्रासदी को राजनीतिक अवसर में बदलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह समय राजनीति करने का नहीं, बल्कि शोक संतप्त परिवार के साथ खड़े होने और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देने का है। फडणवीस ने ममता के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय करार देते हुए कहा कि मौत पर राजनीति करना अत्यंत ओछी मानसिकता है।

फडणवीस ने ममता बनर्जी को याद दिलाया कि एनसीपी के

ममता बनर्जी पर भड़के देवेंद्र फडणवीस

संस्थापक और वरिष्ठ नेता शरद पवार ने स्वयं इस घटना को एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना बताया है। उन्होंने कहा कि जब परिवार के सबसे वरिष्ठ सदस्य ने स्पष्ट कर दिया है कि यह एक हादसा था, तो बाहरी नेताओं द्वारा इसे साजिश का रूप देना समझ से परे है। फडणवीस ने कहा कि शरद पवार की स्पष्टता के बावजूद इस तरह की बयानबाजी करना न केवल तथ्यों के विपरीत है, बल्कि यह बेहद पीड़ादायक भी है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने राजनीति में गिरते नैतिकता के स्तर पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह देखना अत्यंत कष्टदायक है कि एक वरिष्ठ नेता की मृत्यु पर भी 'गंदी और घृणित' राजनीति की जा रही है। उन्होंने ममता बनर्जी के बयान को पूरी तरह गलत बताते हुए कहा कि दीदी का राजनीति के लिए इतने निचले स्तर पर उतरना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन मृत्यु जैसे संवेदनशील विषय पर मर्यादा बनाए रखनी चाहिए।

जनभावनाओं को ठेस और महाराष्ट्र का अपमान

फडणवीस ने अजित पवार को महाराष्ट्र का एक बेहद लोकप्रिय नेता बताते हुए कहा कि उनकी मौत को राजनीतिक रंग देना राज्य की जनता और उनकी भावनाओं का अपमान है। उन्होंने कहा कि ऐसे असंवेदनशील बयान समाज में गलत संदेश भेजते हैं और दुख की इस घड़ी में लोगों के जख्मों पर नमक छिड़कने का काम करते हैं। मुख्यमंत्री ने ममता बनर्जी से अपील की कि वे अपने बयान पर पुनर्विचार करें और भविष्य में ऐसी टिप्पणियों से बचें जो जनभावनाओं को आहत करती हों।

कमोठे में गणतंत्र दिवस समारोह, विचार गोष्ठी आयोजित

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारत भारती के नवी मुंबई संभाग द्वारा कमोठे में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती की सार्धशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में दीप प्रज्वलन के साथ हुई। सांस्कृतिक प्रस्तुति में 'अनेकता में एकता' की भावना को दर्शाते हुए देश के विभिन्न प्रांतों के लोकनृत्यों का मनमोहक प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही भारत माता की आरती ने पूरे वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आयोजक राम शुक्ल ने भारत के एकीकरण में सरदार वल्लभभाई पटेल की ऐतिहासिक भूमिका को याद किया और बताया कि किस प्रकार उन्होंने 562 रियासतों का भारत में विलय कर राष्ट्रीय एकता की मजबूत नींव रखी। भारत भारती के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री विनय पत्राले ने अपने संबोधन में देश की विविध भाषाओं और संस्कृतियों के बीच समन्वय और आपसी सद्भाव बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को 'सरदार शपथ' भी दिलाई गई। ब्रह्मकुमारी संस्थान से आईं डॉ. रेखा वागनी ने बच्चों में संस्कार, नैतिक मूल्यों और सात्विक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मातृशक्ति की सक्रिय भागीदारी रही, जिसमें श्रीमती हरजिंदर कौर हैप्पी सिंह, किरण शुक्ला, सरोज पांडेय और रजनी सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

3 वांटेड अपराधी मलेशिया डिपोर्ट

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI), जो भारत में इंटरपोल के लिए नेशनल सेंट्रल ब्यूरो (NCB) के रूप में कार्य करता है, ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। एजेंसी ने एनसीबी-कुआलालंपुर के साथ निकट समन्वय में काम करते हुए तीन रेड नोटिस वाले अपराधियों—श्रीधरन सुब्रमण्यम, प्रतिफकुमार सेलवराज और

नविंद्रन राज कुमारसन—को भारत से मलेशिया डिपोर्ट करने में मदद की है।

अधिकारियों ने बुधवार को जानकारी दी कि यह कार्रवाई मंगलवार को इंटरपोल के स्थापित सहयोग तंत्र के माध्यम से सुचारू रूप से संपन्न हुई। सीबीआई द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, ये तीनों व्यक्ति मलेशियाई अधिकारियों द्वारा संगठित आपराधिक गतिविधियों (Organized Crime) के लिए वांछित थे। इन पर आरोप है कि इन्होंने भौतिक लाभ, शक्ति या प्रभाव हासिल करने के उद्देश्य से गंभीर अपराधों को अंजाम देने के लिए साझा इरादे से काम किया। इनके आपराधिक इतिहास को देखते हुए इनके खिलाफ इंटरपोल रेड नोटिस जारी किया गया था। एनसीबी-कुआलालंपुर ने बताया कि ये रेड नोटिस वाले विषय (Subjects) यूनाइटेड किंगडम (UK) से यात्रा करते हुए मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे थे। हालांकि, मुंबई एयरपोर्ट पर सतर्क इमिग्रेशन अधिकारियों ने उन्हें भारत में प्रवेश करने से मना कर दिया (Denied Entry)। इसके तुरंत बाद, एनसीबी-कुआलालंपुर ने औपचारिक रूप से एनसीबी-नई दिल्ली से संपर्क किया और आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए उन्हें मलेशिया वापस भेजने (Deportation) में सहयोग मांगा।

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
विद्युत कार्य

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.वि.), मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त अनुभवी और लाइसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेलवे की ई प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई–निविदा आमंत्रित करते हैं। निविदा क्र.: **सोला/क.वि./नि/2025/29R1; कार्य का नाम:** सोलापुर मंडल के अनवायर्ड पिट लाइन/साइडिंग का विद्युतीकरण का कार्य। (पुनर्निविदा); **अनुमानित लागत:** रु. 1,53,83,701.79 **बयाना राशि:** रु. 2,26,900/- **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 माह **निविदा प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन **वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 20.02.2026 को 15:00 बजे।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर(टीआरडी),
DE/Sur-01 **मध्य रेलवे, सोलापुर**

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
फायर अलार्म प्रणाली

भारत के राष्ट्रपति की ओर से डीआरएम (एस एंड टी) कार्यालय, मध्य रेलवे, सोलापुर निम्नलिखित कार्यों के लिए सक्षम, प्रतिष्ठित फर्मों/ठेकेदारों से रेलवे की ई–प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई–निविदाएं आमंत्रित करता है:– **निविदा सूचना संख्या: सोला–एन–टी–2025–26–42 दिनांक 27.01.2026. इलाके के साथ काम का नाम:** मध्य रेलवे के सोलापुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों और लेवल क्रॉसिंग गेटों पर आरडीएसओ प्रकार की फायर अलार्म प्रणाली और एस्पिरेशन प्रकार की फायर अलार्म प्रणाली की व्यवस्था करना। **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 2,93,26,646.58 **टेंडर फॉर्म की कीमत:** Nil **जमा की जाने वाली धरोहर राशि:** रु. 2,96,600/- **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 12 महीने; **निविदा के समापन की तिथि और समय:** 20.02.2026 After 15:30 hrs. विवरण ireps वेबसाइट में उपलब्ध हैं। शुद्धिपत्र/संशोधन यदि कोई हो तो केवल उपरोक्त ई–प्रोक्योरमें वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। केवल ऑनलाइन निविदाएं ही स्वीकार की जाएंगी। मैनुअल/डाक/ई–मेल, फैक्स, हस्त निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे कंपनी के नाम के साथ तृतीय श्रेणी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र प्राप्त करें और इसे **www.ireps.gov.in** पर पंजीकृत करें। बयाना राशि (इएमडी) का भुगतान नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से या बैंक गारंटी के रूप में स्वीकार किया जाएगा और मूल बैंक गारंटी निविदा दस्तावेज में निर्दिष्ट नामित अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से बोलियाँ जमा करने की अंतिम तिथि से पहले (अर्थात् बोलियाँ जमा करने की अंतिम तिथि को छोड़कर) जमा करनी होगी। अधिक जानकारी के लिए कृपया **www.ireps.gov.in** देखें।

मंडल रेल प्रबंधक/एस एंड टी, शाखा
DE/Sur-03 **मध्य रेलवे, सोलापुर**

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, वाणिज्य विभाग (एनएफआर अनुभाग), मुंबई सेंट्रल, मुंबई–400 008

कार्य : मुंबई मंडल पर विभिन्न एनएफआर (नॉन-फेयर रेवेन्यू) माध्यमों के माध्यम से विज्ञापन का प्रदर्शन।

नीलामी कैटलॉग क्रमांक	ई-नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVTH25-02	12.02.2026 13:00:00

क्र.	लॉट क्रमांक	स्थान / क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	HyB-OnB-99674-25-1 (हाइब्रिड एनएफआर-ऑन-बोर्ड हाइब्रिड)	मुंबई मंडल, पश्चिम रेलवे की नामित मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के आरक्षित कोचों में विज्ञापन सहित लिनन कवर बैग्स की आपूर्ति एवं उपलब्ध कराने हेतु अनुबंध।	1096	12.02.2026 13:30:00

नीलामी कैटलॉग क्रमांक	ई-नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVTM25-50	12.02.2026 14:00:00

क्र.	लॉट क्रमांक	स्थान / क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	MSS-BCT-MIRA-Med-Stn-101-26-1 (विविध स्थिर सेवाएँ – स्टेशन पर चिकित्सा सुविधाएँ)	मीरा रोड रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के माध्यम से चौबीसों घंटे चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना — अवधि : 05 वर्ष।	1826	12-02-26 14:30:00
2	MSS-BCT-VLP-Med-Stn-97-26-1 (विविध स्थिर सेवाएँ – स्टेशन पर चिकित्सा सुविधाएँ)	विले पार्ले रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के माध्यम से चौबीसों घंटे चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना — अवधि : 05 वर्ष।	1826	12-02-26 14:40:00
3	MSS-BCT-ADH-Med-Stn-98-26-1 (विविध स्थिर सेवाएँ – स्टेशन पर चिकित्सा सुविधाएँ)	अंधेरी रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के माध्यम से चौबीसों घंटे चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना — अवधि : 05 वर्ष।	1826	12-02-26 14:50:00
4	MSS-BCT-KILE-Med-Stn-100-26-1 (विविध स्थिर सेवाएँ – स्टेशन पर चिकित्सा सुविधाएँ)	कांदिवली रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के माध्यम से चौबीसों घंटे चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना — अवधि : 05 वर्ष।	1826	12-02-26 15:00:00
5	MSS-BCT-MDD-Med-Stn-99-26-1 (विविध स्थिर सेवाएँ – स्टेशन पर चिकित्सा सुविधाएँ)	मालाड रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के माध्यम से चौबीसों घंटे चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना — अवधि : 05 वर्ष।	1826	12-02-26 15:10:00

नीलामी कैटलॉग क्रमांक	ई-नीलामी प्रारंभ
MMCT-ADVT-25-73	12.02.2026 15:00:00

क्र.	लॉट क्रमांक	स्थान / क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	ADVT-BCT-CCG-OSD-465-25-1 (विज्ञापन - स्टेशन परिसर में (डिजिटल)	चर्चगेट (CCG) स्टेशन के नॉन-टिकटिंग क्षेत्र में थोक विज्ञापन अधिकार — अवधि : 05 वर्ष।	1826	12-02-26 15:30:00
2	ADVT-BCT-UDN-OSN-470-26-1 (विज्ञापन - स्टेशन परिसर में (नॉन-डिजिटल)	उधना (UDN) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार — अवधि : 03 वर्ष।	1096	12-02-26 15:40:00
3	ADVT-BCT-RMAR-OSN-170-26-1 (विज्ञापन स्टेशन परिसर में (नॉन-डिजिटल)	राम मंदिर (RMAR) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार — अवधि : 03 वर्ष।	1096	12-02-26 15:50:00
4	ADVT-BCT-UOI-OSN-182-24-1 (विज्ञापन - स्टेशन परिसर में (नॉन-डिजिटल)	उमरोली (UOI) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार — अवधि : 03 वर्ष।	1096	12-02-26 16:00:00

संपर्क विवरण: लैंडलाइन नंबर : 022-67644212, ई-मेल आईडी : **acmadvtgbct@gmail.com, टिप्पणी:** इच्छुक/भावी बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट पर उपलब्ध ई-नीलामी लीज़िंग मॉड्यूल (**www.ireps.gov.in**) का अवलोकन करें। लॉट-वार विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट पर उपलब्ध है। **1054**

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस–जयपुर विशेष ट्रेन की यात्राओं में विस्तार

ट्रेन संख्या	प्रारंभिक स्टेशन – गंतव्य	चलने का दिन	तक विस्तारित
09706	बांद्रा टर्मिनस – जयपुर	सोमवार	30.03.2026
09705	जयपुर – बांद्रा टर्मिनस	रविवार	29.03.2026

यात्रियों से अनुरोध है कि समय-सारणी, ठहराव (हॉल्ट) एवं ट्रेन संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु www.enquiry.indianrail.gov.in वेबसाइट देखें।

ट्रेन संख्या 09706 की विस्तारित यात्राओं के लिए आरक्षण 29.01.2026 से सभी पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर उपलब्ध होगा। उपरोक्त ट्रेन विशेष किराये पर विशेष ट्रेन के रूप में संचालित की जाएगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us & Follow us on:
facebook.com/WesternRly
X.com/WesternRly
Instagram.com/WesternRly
https://www.youtube.com/@WesternRly
https://bit.ly/WesternRailwayOfficial

सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान प्रमाण कृपया साथ लेकर चलें

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल,मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग,एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई–400 008

कार्य : मुंबई मंडल पर विभिन्न एनएफआर माध्यमों के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शित करने का कार्य।

नीलामी कैटलॉग क्रमांक	ई-नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-PnU-25-16	13.02.2026 13:00:00

क्र.	लॉट क्रमांक	स्थान / क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	PnU-BCT-MMCT-WRL-80-25-1 (पे एंड यूज़ – लाउंज / प्रतीक्षालय / रिटायरिंग / क्लोक रूम)	मुंबई सेंट्रल (MMCT) स्टेशन पर रिटायरिंग रूम / डॉरमेट्री के नवीनीकरण, संचालन एवं अनुरक्षण हेतु ई-नीलामी।	1826	13.02.2026 13:30:00

नीलामी कैटलॉग क्रमांक	ई-नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVTM25-51	13.02.2026 14:00:00

क्र.	लॉट क्रमांक	स्थान / क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	MSS-BCT-PLG-PrKiosk-53-25-1 (विविध स्थिर सेवाएँ – प्रमोशनल कियोस्क (Promotional Kiosk)	पालघर (PLG) और बोइसर (BOR) स्टेशन प्रमोशनल कियोस्क / उत्पाद प्रदर्शन (Promotional Kiosk / Product Display) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन अनुबंध के लिए ई-नीलामी। अनुबंध अवधि : 03 वर्ष	1096	13.02.2026 14:30:00
2	MSS-BCT-DDR-STGen-96-26-1 विविध स्थिर सेवाएँ – जनरल स्टैटिक (General Static)	दादर स्टेशन (PF नं. 05 के बाउंड्री वॉल के पास, Pay and Use से Entry नं. 12 तक) वेयरहाउसिंग सुविधा (Parcel Traffic हेतु) का विकास, संचालन और प्रबंधन।	1096	13.02.2026 14:40:00
3	MSS-BCT-BDTS-STGen-91-25-1 विविध स्थिर सेवाएँ – स्टैटिक जनरल (Static General)	बांद्रा टर्मिनस (PF नं. 01 के उत्तर छोर और कोच केयर सेंटर की बाउंड्री वॉल के बीच) वेयरहाउसिंग सुविधा (Parcel Traffic हेतु) का विकास, संचालन और प्रबंधन।	1096	13.02.2026 14:50:00

संपर्क विवरण: लैंडलाइन नंबर : 022-67644212, **ई-मेल आईडी : acmadvtgbct@gmail.com, टिप्पणी:** भावी बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट पर उपलब्ध ई-नीलामी लीज़िंग मॉड्यूल (**www.ireps.gov.in**) का अवलोकन करें। लॉट-वार विस्तृत जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है। **1056**

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

संपादकीय

एक युग का अंत

महाराष्ट्र की राजनीति का वह "अजेय योद्धा" आज शांत हो गया, जिसकी कार्यशैली में शब्दों से ज्यादा निर्णयों की गूंज सुनाई देती थी। बारामती के पास सुबह हुई विमान दुर्घटना में अजीत दादा पवार का इस तरह जाना केवल एक राजनीतिक क्षति नहीं, बल्कि राज्य के प्रशासनिक गौरव का अस्त होना है। वे एक ऐसे जननेता थे, जिन्होंने अपनी "विरासत" से बड़ी अपनी "पहचान" बनाई। अजीत दादा का व्यक्तित्व आधुनिक राजनीति के व्याकरण को परिभाषित करता था। महाराष्ट्र के मंत्रालयों में यह कहावत आम थी कि "अगर फाइल दादा के पास है, तो निर्णय होकर ही निकलेगा।" वे "पेंडिंग" संस्कृति के कट्टर विरोधी थे। सुबह 7 बजे मंत्रालय पहुंचकर अधिकारियों की बैठक लेना उनकी दिनचर्या थी। उनका यह प्रशासनिक अनुशासन ही था कि उन्होंने रिकॉर्ड 6 बार उपमुख्यमंत्री के रूप में राज्य की कमान संभाली। उनके लिए राजनीति सत्ता का भोग नहीं, बल्कि क्रियान्वयन की एक मशीन थी। अजीत पवार के राजनीतिक जीवन में कई ऐसे मोड़ आए, जिन्होंने इतिहास की धारा बदली। पुणे जिला सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक से शुरू हुआ उनका सफर, सहकारिता को आधुनिक बनाने के उनके विजन का गवाह है। उन्होंने चीनी मिलों और कृषि ऋण प्रणालियों में तकनीक का समावेश किया। चाहे 2019 का वह "अर्ली मॉर्निंग" शपथ ग्रहण हो या 2023 में अपनी अलग राह चुनकर एनसीपी के "घड़ी" चुनाव चिन्ह पर अधिकार करना—दादा ने हमेशा साबित किया कि वे जोखिम लेने से नहीं डरते। उनके कदम विवादास्पद हो सकते थे, लेकिन वे अपनी सोच में स्पष्ट रहे। आज जब हम बारामती को देखते हैं, तो वह किसी नेता का चुनाव क्षेत्र नहीं, बल्कि एक "आधुनिक शहर" का ब्लूप्रिंट नजर आता है। चौड़ी सड़कें, अंतरराष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संस्थान और कृषि-औद्योगिक हब—यह सब अजीत दादा की दूरदृष्टि का परिणाम है। विडंबना यह कि जिस बारामती एयरपोर्ट को उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मानकों पर लाने के लिए पिछले वर्ष विशेष निर्देश दिए थे, वही उनकी अंतिम यात्रा का गवाह बना। उनकी सामाजिक सोच विकासवाद और व्यावहारिक समाधानों पर आधारित थी। वे "लाडली बहना" जैसी योजनाओं के प्रबल समर्थक थे, क्योंकि वे जानते थे कि आर्थिक सशक्तीकरण ही वास्तविक बदलाव लाता है। पारिवारिक मोर्चों पर संघर्षों के बावजूद, उन्होंने शरद पवार के प्रति एक "मर्यादित प्रतिद्वंद्विता" और सम्मान का संतुलन बनाए रखा। कठोर दिखने वाले इस व्यक्तित्व के भीतर एक ऐसा हृदय था, जो अपने कार्यकर्ताओं के लिए आधी रात को भी उपलब्ध रहता था। 66 वर्ष की आयु में उनका जाना महाराष्ट्र की राजनीति में एक ऐसा शून्य पैदा कर गया है, जिसे आने वाले दशकों तक भर पाना कठिन होगा। अजीत दादा एक ऐसे राजनेता थे, जिन्होंने कभी "विक्टिम कार्ड" नहीं खेला, बल्कि अपनी परिस्थितियों के खुद विधाता बने। उनकी स्पष्टवादिता, उनकी "दादागिरी" यानी काम कराने की जिद और काम के प्रति उनका समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए सबक रहेगा। आज बारामती की गलियां खामोश हैं और मंत्रालय के गलियारे सूने। महाराष्ट्र ने अपना सबसे कुशल "मैनेजर" और जनता ने अपना "दादा" खो दिया है। नियति ने भले ही उन्हें हमसे छीन लिया हो, लेकिन उनके द्वारा खींची गई विकास की लकीरें हमेशा चमकती रहेंगी।

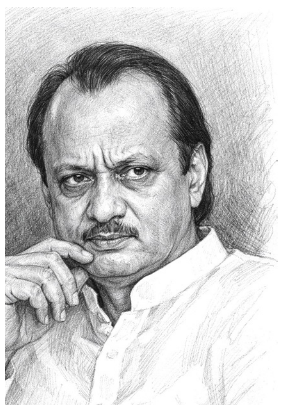

विनम्र श्रद्धांजलि।

शख्सियत | जोगेंद्र नाथ मंडल

जीवन संघर्ष, सामाजिक चेतना और जटिल राजनीतिक यात्रा

जोगेंद्र नाथ मंडल भारतीय इतिहास के उन व्यक्तित्वों में हैं, जिनका जीवन संघर्ष, सामाजिक न्याय और राजनीतिक जटिलताओं से भरा रहा। वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि दलित समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले विचारशील नेता थे। उनका जीवन हमें यह समझने का अवसर देता है कि स्वतंत्रता आंदोलन और विभाजन के दौर में लिए गए निर्णय कितने कठिन और बहुस्तरीय थे।

जोगेंद्र नाथ मंडल का जन्म 29 जनवरी 1904 को अविभाजित बंगाल के बरिसाल जिले में एक दलित (नमशूद्र) परिवार में हुआ। उस समय समाज में छुआछूत, जातिगत भेदभाव और सामाजिक असमानता गहराई से मौजूद थी। बचपन से ही उन्होंने अपने समाज के अपमान, वंचना और संघर्ष को बहुत नजदीक से देखा। यही अनुभव आगे चलकर उनके सामाजिक और राजनीतिक जीवन की दिशा तय करने वाले बने। मंडल ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने कानून की पढ़ाई की और वकालत के क्षेत्र में प्रवेश किया। शिक्षा ने उन्हें न केवल आत्मविश्वास दिया, बल्कि समाज की संरचनात्मक असमानताओं को समझने की दृष्टि भी प्रदान की। वे डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों से प्रभावित थे और दलित समाज को राजनीतिक अधिकार दिलाने की आवश्यकता को गहराई से महसूस करते थे। जोगेंद्र नाथ मंडल का प्रमुख योगदान दलित समाज को राजनीतिक चेतना से जोड़ना रहा। वे मानते थे कि सामाजिक सम्मान बिना राजनीतिक शक्ति के संभव नहीं है। उन्होंने बंगाल में दलितों को संगठित किया और उनके अधिकारों की आवाज़ को शासन तक पहुंचाने का प्रयास किया। उन्होंने शिक्षा, प्रतिनिधित्व और सामाजिक बराबरी को दलित मुक्ति का आधार माना। स्वतंत्रता आंदोलन के अंतिम चरण में मंडल ने मुस्लिम लीग के साथ राजनीतिक सहयोग किया। उनका मानना था कि उस समय कांग्रेस के नेतृत्व में दलितों को अपेक्षित प्रतिनिधित्व और सुरक्षा नहीं मिल पा रही थी। इसी सोच के तहत उन्होंने मुस्लिम लीग का समर्थन किया, ताकि दलितों के लिए राजनीतिक सौदेबाज़ी की स्थिति मजबूत हो सके। भारत के विभाजन के बाद वे पाकिस्तान चले गए और वहां के पहले कानून और श्रम मंत्री बने। यह निर्णय भारतीय इतिहास का एक जटिल अध्याय है। मंडल को उम्मीद थी कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यक और दलित वर्गों को समान अधिकार मिलेंगे, लेकिन जल्द ही उन्हें यह एहसास हुआ कि वास्तविकता उनकी अपेक्षाओं से बहुत अलग है। पाकिस्तान में रहते हुए उन्होंने वहां अल्पसंख्यक हिंदुओं और दलितों पर हो रहे अत्याचारों का विरोध किया। जब उनकी बातों को अनसुना किया गया, तो उन्होंने 1950 में मंत्री पद से इस्तीफ़ा दे दिया और भारत लौट आए। उनका यह कदम बताता है कि वे सत्ता से अधिक सिद्धांतों को महत्व देते थे। यह उनके जीवन का सबसे साहसी और नैतिक निर्णय माना जाता है। भारत लौटने के बाद वे सक्रिय राजनीति में अपेक्षाकृत हाशिये पर चले गए। फिर भी उनका जीवन संघर्षों की मिसाल बना रहा। उन्होंने अपने अनुभवों के माध्यम से यह चेतावनी दी कि सामाजिक न्याय के बिना कोई भी राजनीतिक व्यवस्था टिकाऊ नहीं हो सकती। जोगेंद्र नाथ मंडल का निधन 8 अक्टूबर 1968 को हुआ। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि इतिहास केवल सफलताओं से नहीं, बल्कि कठिन निर्णयों और उनसे मिली सीख से भी बनता है।

मानसिक स्वास्थ्य का वैश्विक संकट

लालच और समाज में बढ़ता क्रोध

डॉक्टर बबलू सोनकर
वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मेजा
प्रयागराज

मुंबई की लोकल ट्रेन में मामूली विवाद के बाद एक प्रोफेसर की हत्या की घटना हमारे समय की सबसे भयावह सच्चाई को उजागर करती है। यह घटना केवल एक व्यक्ति की मृत्यु की कहानी नहीं है, बल्कि उस मानसिक और सामाजिक संकट का प्रतीक है, जिसमें आज का समाज जी रहा है। भागदौड़, प्रतिस्पर्धा और तनाव से भरे जीवन में मनुष्य की सहनशीलता लगातार कम होती जा रही है। छोटी-सी बात पर गुस्सा, अपमान की भावना और हिंसा का सहारा लेना अब असामान्य नहीं रहा। यह प्रश्न अब कानून या व्यवस्था का नहीं, बल्कि समाज की मानसिक और नैतिक स्थिति का बन चुका है।

आज पूरी दुनिया मानसिक स्वास्थ्य के गहरे संकट से गुजर रही है। अनुमान के अनुसार विश्व में लगभग 1.5 अरब लोग किसी न किसी मानसिक परेशानी से प्रभावित हैं। चिंता, अवसाद, तनाव और क्रोध तेजी से बढ़ रहे हैं। हर वर्ष लगभग 70 लाख से अधिक लोगों की मृत्यु मानसिक असंतुलन से जुड़ी परिस्थितियों में होती है। महामारी के बाद यह संकट और अधिक गहरा हुआ है। सामाजिक अलगाव, रोजगार की असुरक्षा, आर्थिक दबाव और भविष्य की अनिश्चितता ने मनुष्य को भीतर से कमजोर कर दिया है। जब मन कमजोर होता है, तो विवेक और धैर्य भी कमजोर पड़ जाते हैं। इस वैश्विक मानसिक संकट को और अधिक तीव्र बनाने वाले कारण केवल बाहरी परिस्थितियां नहीं हैं। इसके मूल में समाज में बढ़ता लालच, स्वार्थ, झूठी शान और अहंकार भी गहराई से जुड़े हुए हैं। आज मनुष्य की सफलता का मूल्यांकन उसके चरित्र या मानवीय गुणों से नहीं, बल्कि उसकी संपत्ति, पद और दिखावे से होने लगा है। यह लालच व्यक्ति को लगातार असंतुष्ट बनाए रखता है। स्वार्थ रिश्तों को खोखला कर देता है और अहंकार संवाद के सभी रास्ते बंद कर देता है। जब अहं को ठेस लगती है, तो व्यक्ति अपनी मानसिक अस्थिरता के साथ हिंसा की ओर बढ़ जाता है। विश्व स्तर पर युवाओं में मानसिक परेशानियों का बढ़ना विशेष चिंता का विषय है। 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग में मानसिक रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। शिक्षा और करियर की अंधी दौड़, बेरोजगारी का डर और सामाजिक तुलना युवाओं को भीतर से तोड़ रही है। सोशल मीडिया ने झूठी शान और बनावटी सफलता की संस्कृति को जन्म दिया है। लोग दूसरों की चमकती जिंदगी देखकर खुद को असफल समझने लगते हैं। यह हीनभावना धीरे-धीरे ईर्ष्या, क्रोध और आक्रामकता में बदल जाती है। जब यह भावनाएं नियंत्रित नहीं होतीं, तो समाज को हिंसा के रूप में उसका परिणाम भुगतना पड़ता है। भारत में स्थिति और भी जटिल है। अनुमान है कि हर सात में से एक भारतीय मानसिक स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहा है, लेकिन इनमें से

70 से 90 प्रतिशत लोग किसी भी प्रकार की सहायता या परामर्श नहीं लेते। मानसिक बीमारी को आज भी कमजोरी या शर्म से जोड़कर देखा जाता है। परिवार और समाज अक्सर व्यक्ति से सहन करने की अपेक्षा करते हैं, समझने की नहीं। लालच और स्वार्थ से भरे सामाजिक ढांचे में संवेदनशीलता और सहानुभूति के लिए स्थान लगातार सिकुड़ता जा रहा है। इसका परिणाम यह होता है कि व्यक्ति अकेलेपन और निराशा में घिरकर भीतर ही भीतर टूटता चला जाता है। मानसिक असंतुलन का प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। इसका असर परिवारों के टूटने, सामाजिक रिश्तों में कड़वाहट और सार्वजनिक जीवन में असहिष्णुता के रूप में सामने आता है। जब समाज का बड़ा हिस्सा तनाव, क्रोध और अहंकार से ग्रस्त हो, तो कानून और दंड भी सीमित प्रभाव डाल पाते हैं। हिंसा तब केवल अपराध नहीं रहती, बल्कि सामाजिक व्यवहार का हिस्सा बन जाती है। मुंबई की लोकल ट्रेन की घटना इसी सामाजिक विफलता का उदाहरण है, जहां मामूली विवाद ने एक जीवन समाप्त कर दिया। इस संकट से बाहर निकलने के लिए मानसिक स्वास्थ्य को नीति, शिक्षा और सामाजिक संवाद के केंद्र में लाना अनिवार्य है। बच्चों को केवल प्रतिस्पर्धा और सफलता नहीं, बल्कि सहयोग, संवेदना और आत्मसंयम भी सिखाना होगा। शिक्षा प्रणाली में भावनात्मक शिक्षा को स्थान देना होगा, ताकि आने वाली पीढ़ी अपनी भावनाओं को समझ सके और नियंत्रित कर सके। कार्यस्थलों पर केवल उत्पादकता नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन को भी महत्व देना होगा। परिवारों में संवाद की संस्कृति को पुनर्जीवित करना होगा। लालच, स्वार्थ और अहंकार से मुक्ति ही मानसिक संतुलन की दिशा में पहला कदम है। सादगी, संतोष और मानवीय मूल्यों को जीवन का आधार बनाना होगा। योग और ध्यान जैसे अभ्यास सहायक हो सकते हैं, लेकिन उनसे भी अधिक जरूरी है एक-दूसरे को सुनना, समझना और स्वीकार करना। समाज को यह स्वीकार करना होगा कि मानसिक परेशानी कमजोरी नहीं, बल्कि मानवीय अनुभव का हिस्सा है। मुंबई की लोकल ट्रेन की वह दुखद घटना हमें चेतावनी देती है कि यदि बढ़ती मानसिक परेशानियों के साथ लालच, स्वार्थ, झूठी शान और अहंकार पर समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया, तो समाज और अधिक हिंसक और असंवेदनशील होता जाएगा। एक शांत, सुरक्षित और मानवीय समाज की नींव मानसिक संतुलन, करुणा, प्रेम और भाईचारे पर ही रखी जा सकती है। यही मानवता का मार्ग है और यही हमारे भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता।

जीवन मंत्र

पूजा आत्मशुद्धि का माध्यम

पूजा के माध्यम से मनुष्य प्रकृति के प्रति सम्मान और उत्तरदायित्व का भाव विकसित करता है। अंततः पूजा का सार प्रेम और करुणा है। जब पूजा हमें मनुष्य से मनुष्य को जोड़ना सिखाए, जब वह समाज में भाईचारा और सद्भाव बढ़ाए, तभी वह सार्थक होती है।

पूजा भारतीय जीवन परंपरा का अभिन्न अंग रही है। लेकिन पूजा का वास्तविक अर्थ केवल फूल, धूप, दीप और मंत्रों तक सीमित नहीं है। पूजा का उद्देश्य मनुष्य के भीतर श्रद्धा, अनुशासन, संयम और कर्तव्यबोध का विकास करना है। जब पूजा को केवल इच्छापूर्ति का साधन मान लिया जाता है, तब उसका मूल भाव कहीं खो जाता है। पूजा हमें यह सिखाती है कि जीवन में कुछ भी अपने आप नहीं मिलता। देवी-देवता हमारे कर्मों का विकल्प नहीं हैं, बल्कि हमारे प्रयासों के प्रेरक हैं। सरस्वती पूजा विद्या के सम्मान का प्रतीक है, लक्ष्मी पूजा धन के प्रति कृतज्ञता का भाव जगाती है और विश्वकर्मा पूजा श्रम, कौशल और सृजन का महत्व बताती है। पूजा हमें यह याद दिलाती है कि ज्ञान, धन और कार्य तीनों तभी सार्थक हैं, जब उनका उपयोग समाज और मानवता के हित में हो। सच्ची पूजा वह है, जो मन को शुद्ध करे। यदि पूजा के बाद भी हमारे व्यवहार में अहंकार, द्वेष, हिंसा और लालच बना रहता है, तो समझना चाहिए कि पूजा केवल एक कर्मकांड बनकर रह गई है। पूजा का प्रभाव हमारे विचारों, वाणी और कर्मों में दिखना चाहिए। पूजा हमें विनम्र बनाती है, हमें यह सिखाती है कि हम इस सृष्टि के केंद्र नहीं हैं, बल्कि इसका एक छोटा सा हिस्सा हैं। पूजा का संबंध प्रकृति से भी है। पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश को पूजनीय मानकर सनातन परंपरा ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश बहुत पहले दे दिया था। पूजा के माध्यम से मनुष्य प्रकृति के प्रति सम्मान और उत्तरदायित्व का भाव विकसित करता है। अंततः पूजा का सार प्रेम और करुणा है। जब पूजा हमें मनुष्य से मनुष्य को जोड़ना सिखाए, जब वह समाज में भाईचारा और सद्भाव बढ़ाए, तभी वह सार्थक होती है। पूजा ईश्वर को प्रसन्न करने से पहले मनुष्य को बेहतर इंसान बनाने की प्रक्रिया है। यही पूजा का वास्तविक उद्देश्य और मूल्य है।

जीवन ऊर्जा

रोमां रोलां : जन्म 29 जनवरी 1866 | जन्म

रोमां रोलां का जन्म 29 जनवरी 1866 को फ्रांस में हुआ। वे महान लेखक, इतिहासकार और मानवतावादी दार्शनिक थे। उन्होंने अहिंसा, मानवता और विश्व-बंधुत्व का समर्थन किया तथा महात्मा गांधी पर लेखन किया। उन्हें 1915 में साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला। उनकी मृत्यु 30 दिसंबर 1944 को हुई।

प्रेम ही विश्व को जोड़ने वाली शक्ति है

सच्चा नायक वह है जो सत्य से प्रेम करता है। महान आत्माएं अकेली होती हैं, पर कमजोर नहीं। जो सत्य के साथ खड़ा होता है, वह कभी पराजित नहीं होता। मानवता धर्म से बड़ी है। अहिंसा कायरता नहीं, सबसे बड़ा साहस है। विचारों की स्वतंत्रता ही सच्ची स्वतंत्रता है। जो अन्याय के सामने मौन रहता है, वह भी दोषी होता है। सृजन वही करता है जो भीतर से संघर्ष करता है। युद्ध मानवता की सबसे बड़ी हार है। प्रेम ही विश्व को जोड़ने वाली शक्ति है। कला का उद्देश्य आत्मा को जाग्रत करना है। सच्चा बुद्धिजीवी सत्ता से नहीं, सत्य से जुड़ा होता है। शांति दुर्बलों की नहीं, साहसी लोगों की पसंद होती है। जो स्वयं को जीत ले, वही संसार को बदल सकता है। मानव जीवन का उद्देश्य सेवा है। नफरत विचारों को अंधा कर देती है। महान विचार पीड़ा से जन्म लेते हैं। धर्म तब तक पवित्र है, जब तक वह मानवता से जुड़ा है। स्वतंत्र आत्मा ही सृजन कर सकती है। सत्य अकेला हो सकता है, पर झूठ कभी नहीं। साहित्य समाज का नैतिक दर्पण है। डर गुलामी की पहली सीढ़ी है। अन्याय के विरुद्ध मौन सबसे बड़ा अपराध है। मनुष्य का मूल्य उसके साहस से तय होता है। आत्मा की आवाज सबसे सच्ची होती है। मानवता की सेवा ही सच्ची देशभक्ति है। हिंसा विचारों की हार का प्रमाण है। विवेक बिना स्वतंत्रता के मर जाता है।

सच्चाई समय से नहीं डरती। मनुष्य तब महान बनता है जब वह दूसरों के लिए जीता है। विचार वही अमर होते हैं जो पीढ़ियों को जगाएं। शक्ति से नहीं, करुणा से मनुष्य महान बनता है। सत्य की राह कठिन है, पर वही मुक्त करती है। आत्मसम्मान के बिना स्वतंत्रता अधूरी है। भय वहां जन्म लेता है जहां विवेक सो जाता है। संस्कृति का उद्देश्य मनुष्य को मनुष्य बनाना है। शांति केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं, न्याय की उपस्थिति है। विचारों का साहस ही समाज को आगे बढ़ाता है। मानवता का भविष्य नैतिकता पर टिका है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

सनातन धर्म : कर्म, करुणा और मानवता का जीवन-दर्शन

आज के समय में अक्सर कुछ लोग यह प्रश्न करते हैं कि क्या सरस्वती पूजा से कोई अधिकारी बन सकता है, लक्ष्मी पूजा से कोई अरबपति बन सकता है या विश्वकर्मा पूजा से कोई इंजीनियर बन सकता है। पहली दृष्टि में यह प्रश्न अधार्मिक प्रतीत होता है, लेकिन वास्तव में यह समस्या अधार्मिक लोगों की नहीं, बल्कि हम जैसे धार्मिक लोगों की ही है। विशेष रूप से हम, जो स्वयं को सनातन परंपरा का अनुयायी मानते हैं, शायद इसकी सही व्याख्या समाज तक स्पष्ट रूप से नहीं पहुंचा पाए। सरस्वती पूजा का मूल उद्देश्य विद्या का सम्मान है, न कि बिना अध्ययन और परिश्रम के सफलता की गारंटी। सरस्वती ज्ञान, विवेक और चेतना की देवी हैं। उनकी पूजा हमें पढ़ने, समझने और सीखने की प्रेरणा देती है। परीक्षा पास करना, नौकरी पाना या अधिकारी बनना परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास से संभव होता है। पूजा अंतःकरण को शुद्ध करती है, मन को एकाग्र बनाती है, लेकिन पढ़ाई का विकल्प नहीं बन सकती। सनातन धर्म कभी भी आलस्य या कर्म से पलायन का समर्थन नहीं करता। इसी प्रकार लक्ष्मी पूजा को लेकर भी समाज में कई भ्रम हैं। लक्ष्मी केवल धन की देवी नहीं हैं, बल्कि धन के सदुपयोग, संतुलन और कृतज्ञता का प्रतीक हैं। धन जीवन को चलाने के लिए आवश्यक है, समाज और धर्म के कार्यों के लिए आवश्यक है। लेकिन जब धन केवल भोग, वासना और दिखावे का साधन बन जाता है, तब वही धन जीवन को खोखला बना देता है। लक्ष्मी पूजा हमें यह सिखाती है कि धन का सम्मान कैसे किया जाए, उसका उपयोग समाज और मानवता के हित में कैसे हो। सनातन धर्म का मूल आधार कर्म है। श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा था — "प्रत्यंचा खींचो, पार्थ।" उन्होंने यह नहीं कहा कि युद्धभूमि छोड़ दो, रथ मोड़ दो या केवल वेश बदल लेने से समस्या हल हो जाएगी। गीता का संदेश स्पष्ट है कि अपने कर्तव्य से भागना अधर्म है। सच्ची भक्ति वही है जिसमें कर्म, निष्ठा और उत्तरदायित्व शामिल हों। जब भक्ति केवल मांगों तक सीमित हो जाती है — बेटा, नौकरी, मुकदमे की जीत, बहू या दहेज — तब वह भक्ति नहीं रहती, बल्कि सौदेबाजी बन जाती है। मंदिर मन को शुद्ध करने, अहंकार को त्यागने और आत्मचिंतन के लिए होते हैं। यदि मंदिर जाकर भी हमारे व्यवहार में करुणा, संयम और प्रेम नहीं आता, तो समस्या मंदिर या धर्म की नहीं, हमारी सोच की है। सनातन परंपरा हमें प्रकृति से भी जोड़ती है। पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश को हमारे ही अंग माना गया है। इन तत्वों की रक्षा करना कोई उपकार नहीं, बल्कि अपनी ही रक्षा है। पर्यावरण संरक्षण सनातन धर्म में केवल आधुनिक विचार नहीं, बल्कि प्राचीन जीवन-दर्शन का हिस्सा रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सनातन धर्म अंधभक्ति नहीं सिखाता। वह विवेक, बुद्धि और प्रश्न करने की परंपरा देता है। वर्णाश्रम से भी ऊपर भागवत धर्म है, जो प्रेम, भक्ति और करुणा पर आधारित है। इसी कारण राम केवट को गले लगाते हैं, जटायु का सम्मान करते हैं और शबरी के बेरों को राजभोग से भी श्रेष्ठ मानते हैं। यहां प्रेम और भाव का महत्व है, न कि जाति या बाहरी आडंबर का। सनातन धर्म का अंतिम उद्देश्य मनुष्य को मनुष्य से जोड़ना है। वह समाज में प्रेम, भाईचारा, सहअस्तित्व और मानवता को मजबूत करता है। यदि सनातन धर्म की ये बातें हमें समझ में नहीं आतीं, तो दोष धर्म का नहीं, बल्कि हमारी अधूरी समझ का है।

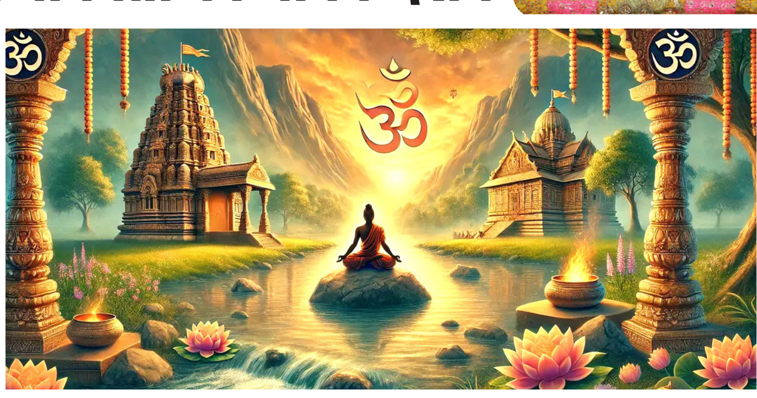

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

आज AI के दुरुपयोग को देखते हुए इस विषय पर गम्भीर होने की जरूरत है। डीपफेक, मिसंफॉर्मेशन और फेक कंटेंट, लोकतंत्र में सामाजिक सौहार्द और जनता के विश्वास के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है। इस गंभीर विषय पर संसद को मिलकर विचार करना चाहिए।

–द्रौपदी मुर्मू
राष्ट्रपति, भारत

यह हादसा अत्यंत पीड़ादायक है और वे इससे मर्माहत हैं। अजित पवार एक कर्मठ एवं कुशल राजनेता थे ,महाराष्ट्र की राजनीति में उनका अहम योगदान रहा। वे मृदुभाषी, मिलनसार और लोगों में बेहद लोकप्रिय थे। उनके निधन से महाराष्ट्र ही नहीं, पूरे देश के राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है।

–नीतीश कुमार
सीएम, बिहार

अजित पवार महायुति गठबंधन से दूरी बनाने की कोशिश कर रहे थे, इसलिए इस हादसे के पीछे कोई साजिश हो सकती है। आज जो हुआ, वह गंभीर सवाल खड़े करता है। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच ही विश्वसनीय होगी। हमें सिर्फ सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा है, किसी अन्य एजेंसी पर नहीं।

–ममता बनर्जी
सीएम, पश्चिम बंगाल

हमको लगा कि अब यहां पर बैठना ठीक नहीं है। इनकी नीयत अभी भी पछतावे या अपने अपराध को स्वीकार करने की नहीं है। ये अभी भी अपनी अकड़ पर ही रहना चाहते हैं। केवल सरकारी रेवड़ी बांटकर यह हमको अपने जाल में फंसाना चाहते हैं इसलिए हमने निर्णय लिया कि हम तत्काल यहां से निकल जाएं।

–अविमुक्तेश्वरानंद
शंकराचार्य

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिदार).

ब्रीफ न्यूज़

पंचभूत मेडिटेशन का त्रि-दिवसीय ध्यान शिविर सम्पन्न

लोनावला। लोनावला की सुरम्य पहाड़ियों के मध्य योगा हेल्थ और सप्तध्यान फाउंडेशन द्वारा 24 से 26 जनवरी तक एक विशेष तीन दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। योगाचार्य सतीश सीतलप्रसाद शर्मा के सानिध्य में आयोजित इस 'पंचभूत मेडिटेशन व ध्यान शिविर' में दिल्ली, मुंबई, पुणे, उज्जैन, अहमदनगर और आजमगढ़ समेत देश के विभिन्न हिस्सों से आए साधकों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। यह शिविर प्रकृति की गोद में मानसिक और शारीरिक शुद्धि का एक अनूठा संगम बना। शिविर में योगाचार्य सतीश शर्मा ने पंचभूत मेडिटेशन (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश) के महत्व को समझाया, जो तनाव कम करने, एकाग्रता बढ़ाने और भावनात्मक स्थिरता लाने में सहायक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोगों को व्यवसाय के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने बताया कि सनातन धर्म के ऋषियों द्वारा बताए गए योग मार्ग से डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और हृदय रोगों जैसी समस्याओं का निदान संभव है, जिससे जीवन में सच्ची खुशहाली और आरोग्य प्राप्त किया जा सकता है।

बांद्रा टर्मिनस एवं जयपुर के बीच स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

मुंबई। पश्चिम रेलवे ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने और उनकी यात्रा को सुगम बनाने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस और जयपुर के बीच चलने वाली साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के फेरों को विस्तारित करने का निर्णय लिया है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह कदम यात्रियों की मांग को देखते हुए उठाया गया है, जिससे व्यस्त मार्गों पर कन्फर्म टिकट मिलने में आसानी होगी और यात्रा का अनुभव बेहतर हो सकेगा। इस विस्तार के तहत, ट्रेन संख्या 09706 बांद्रा टर्मिनस–जयपुर साप्ताहिक स्पेशल अब 30 मार्च 2026 तक अपनी सेवाएं जारी रखेगी। वहीं, वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 09705 जयपुर–बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 29 मार्च 2026 तक के लिए विस्तारित किया गया है। इन अतिरिक्त फेरों के जुड़ने से मुंबई और जयपुर के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को आने वाले महीनों में काफी राहत मिलेगी।

नाशिक में होगा विमान का उत्पादन

नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में कदम रखने को तैयार है एचएएल

डीबीडी संवाददाता | नाशिक

भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल को एक बड़ी सफलता मिली है। अब तक लड़ाकू विमानों के लिए प्रसिद्ध हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने कमर्शियल पैसेंजर विमानों के निर्माण के क्षेत्र में भी कदम रख दिया है। हैदराबाद के बेगमपेट हवाई अड्डे पर चल रहे एशिया के सबसे बड़े एयरक्राफ्ट शो 'विंग्स इंडिया-2026' में एचएएल ने रूसी यात्री विमान एसजे-100 (SJ-100) को प्रदर्शित किया। यह विमान एचएएल और रूसी कंपनी यूएसी (UAC) की साझेदारी से तैयार किया जा रहा है, जो भारतीय उड्डयन क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत है।

नाशिक और कानपुर में होगा स्वदेशी निर्माण

एचएएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. डी. के. सुनील ने पुष्टि की है कि अगले तीन वर्षों में इस विमान का पूर्ण निर्माण भारत में ही शुरू हो जाएगा। इसके उत्पादन के लिए नासिक और कानपुर स्थित यूनिट्स को चुना गया है। यह साझेदारी न केवल तकनीक हस्तांतरण में मदद करेगी, बल्कि भारत को नागरिक विमान निर्माण में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी एक बड़ा कदम साबित होगी।

ग्लोबल एयरो शो का आकर्षण

हैदराबाद में आयोजित यह मेगा शो 31 जनवरी तक चलेगा। इसमें दुनिया भर के 20 से अधिक देशों की कंपनियां, 150 से अधिक प्रदर्शक और 200 से ज्यादा विदेशी प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। एसजे-100 के अलावा, प्रदर्शनी में आईएल 114-300 और औरास बिजनेस सुखोई सुपरजेट 100 जैसे अन्य विमान भी दर्शकों और उद्योग जगत के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

आधुनिक तकनीक और सस्ता हवाई सफर

एसजे-100 एक 103 सीटों वाला आधुनिक विमान है, जो शक्तिशाली पीडी-8 (PD-8) इंजन से लैस है और 870 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ने में सक्षम है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे छोटे रनवे पर भी आसानी से उतारा जा सकता है, जो भारत के टियर-2 और टियर-3 शहरों की कनेक्टिविटी के लिए वरदान साबित होगा। भारत में निर्माण होने के कारण इसकी लागत कम होगी, जिससे यात्रियों को किराए में राहत मिलने की पूरी संभावना है।

ध्रुव हेलीकॉप्टर और तेजस पर बड़े समझौते

यात्री विमानों के अलावा, एचएएल ने हेलीकॉप्टर सेगमेंट में भी अपनी पकड़ मजबूत की है। विंग्स इंडिया शो के दौरान, एचएएल ने पवनहंस के साथ 10 'ध्रुव एनजी' हेलीकॉप्टर बेचने का करार किया है। इसके साथ ही, सीमा सुरक्षा बल (BSF) ने भी एचएएल से चार विमान खरीदने में रुचि दिखाई है। डॉ. सुनील ने यह भी जानकारी दी कि भारतीय वायु सेना के लिए पांच 'तेजस' लड़ाकू विमान बनकर तैयार हैं और जल्द ही उन्हें सौंपने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

महाराष्ट्र सरकार और एडीबी के सहयोग से निवेश

मूल्यवर्धन और रोजगार को मिलेगी गति

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र सरकार और एशियाई विकास बैंक (ADB) के संयुक्त प्रयासों से संचालित 'महाराष्ट्र एग्रीबिजनेस नेटवर्क' (मॅग्नेट) परियोजना किसानों और किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) के लिए गेम-चेंजर साबित हो रही है। सह्याद्रि अतिथि गृह में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान विपणन मंत्री जयकुमार रावल ने स्पष्ट किया कि 142.9 मिलियन डॉलर के निवेश वाली यह परियोजना कृषि विपणन, मूल्यवर्धन और रोजगार सृजन को वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहल विशेष रूप से राज्य की 14 प्रमुख बागवानी फसलों और फूलों की मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने पर केंद्रित है।

उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का दौरा और प्रगति

एशियाई विकास बैंक के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने जनवरी 2026 में विदर्भ, मराठवाड़ा और पश्चिम महाराष्ट्र के प्रसंस्करण केंद्रों का व्यापक दौरा कर जमीनी प्रगति का जायजा लिया।

मॅग्नेट 2.0 और भविष्य का विज़न

परियोजना के अगले चरण 'मॅग्नेट 2.0' के तहत उन्नत कृषि तकनीक, आधुनिक पैकेजिंग और अंतरराष्ट्रीय ब्रांडिंग के माध्यम से महाराष्ट्र के उत्पादों को वैश्विक बाजारों तक पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है। विकसित महाराष्ट्र विज़न 2047 के अनुरूप, इसमें जलवायु-अनुकूल नीतियों, कार्बन क्रेडिट और कृषि मंडियों के डिजिटलीकरण जैसे आधुनिक सुधारों को प्राथमिकता दी जा रही है।

1 फ़रवरी से मुंबईकरों को 4 नई लोकल ट्रेनों की सौगात

पश्चिम रेलवे पर कुल सेवाओं की संख्या 1410 हो जाएगी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

यात्री सुविधाओं को बढ़ाने और भीड़ को कम करने के उद्देश्य से, पश्चिम रेलवे ने 1 फरवरी 2026 से 4 अतिरिक्त नॉन-एसी (12-कोच) उपनगरीय सेवाएं शुरू करने का निर्णय लिया है। इन नई सेवाओं के जुड़ने से कुल लोकल ट्रेनों की संख्या 1406 से बढ़कर 1410 हो जाएगी। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, कांदिवली और बोरीवली के बीच छठी लाइन का निर्माण पूरा होने से यह संभव हो पाया है। लंबी दूरी की ट्रेनों को 5वीं और 6वीं लाइन पर शिफ्ट करने से उपनगरीय ट्रैक पर क्षमता बढ़ी है, जिसका सीधा लाभ अब दैनिक यात्रियों को मिलेगा।

नई सेवाओं का समय और रूट

ये चार नई सेवाएं 'स्लो मोड' में चलेंगी, जिनमें दो अप (UP) और दो डाउन (DOWN) दिशा में होंगी। भायंदर से बांद्रा के लिए ट्रेन सुबह 11:39 बजे और भायंदर से चर्चगेट के लिए दोपहर 12:14 बजे रवाना होगी। वहीं, बांद्रा से भायंदर के लिए दो सेवाएं क्रमशः 04:30 बजे और 13:21 (दोपहर 1:21) बजे चलेंगी। इन नई ट्रेनों के समावेश के कारण कुछ मौजूदा सेवाओं के समय में भी मामूली बदलाव किए गए हैं, इसलिए रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे यात्रा करने से पहले संशोधित समय-सारिणी की जांच अवश्य कर लें।

एचएसएनसी विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षांत समारोह

4,009 विद्यार्थियों को उपाधि, 42 को स्वर्ण पदक

गडकरी को डी.लिट. की मानद उपाधि

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई के प्रतिष्ठित हैदराबाद (सिंध) नेशनल कॉलेजिएट (HSNC) विश्वविद्यालय ने अपने चौथे दीक्षांत समारोह में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को विशेष सम्मान से नवाजा है। सार्वजनिक सेवा (Public Service), बुनियादी ढांचा विकास (Infrastructure Development) और राष्ट्र निर्माण में उनके अद्वितीय योगदान को पहचानते हुए विश्वविद्यालय ने उन्हें 'डॉक्टरेट ऑफ लिटरेचर' (Hon. D.Litt.) की मानद उपाधि प्रदान की।

42 छात्रों को मिले गोल्ड मेडल

इस भव्य समारोह में कुल 4,009 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गईं। इनमें 3,481 स्नातक (UG) और 528 स्नातकोत्तर (PG) विद्यार्थी शामिल थे। इसके अलावा, विभिन्न संकायों में शानदार अकादमिक प्रदर्शन करने वाले 42 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक (Gold Medals) देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एचएसएनसी बोर्ड के प्रेसिडेंट डॉ. निरंजन हीरानंदानी, प्रोवोस्ट अनिल हरीश और कुलपति कर्नल प्रो. हेमलता के. बागला उपस्थित थीं।

ऊँचे लक्ष्य रखें विद्यार्थी : गडकरी

सम्मान स्वीकार करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने छात्रों को 'ऊँचे लक्ष्य' रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ₹मुश्किलें सफलता की पहचान नहीं होतीं, बल्कि लगन और कड़ी मेहनत से ऐसे रास्ते खुल सकते हैं जिनकी उम्मीद नहीं थी।₹ उन्होंने छात्रों को इनोवेशन और सस्टेनेबिलिटी (स्थिरता) को अपनाने और मजबूत नैतिक मूल्यों के साथ समाज में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने स्नातकों से जमीन से जुड़े रहने और समाज के प्रति जिम्मेदार बने रहने की अपील की। समारोह में डॉ. निरंजन हीरानंदानी ने नितिन गडकरी को एक 'विज़नरी लीडर' बताया और कहा कि भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर में आए क्रांतिकारी बदलावों का श्रेय उन्हें जाता है।

मुंबई विश्वविद्यालय की परीक्षाएं स्थगित

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के आकस्मिक और दुर्भाग्यपूर्ण निधन के बाद, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पूरे राज्य में तीन दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की है। इस दुखद घटना के मद्देनजर मुंबई विश्वविद्यालय ने इस महीने होने वाली अपनी परीक्षाओं को पुनर्निर्धारित कर दिया है।

छुट्टियों की घोषणा

राजकीय शोक की घोषणा के बाद, सभी सरकारी कार्यालयों सहित स्कूलों और कॉलेजों के लिए छुट्टी घोषित कर दी गई है। ये सभी संस्थान 30 जनवरी तक बंद रहेंगे। चूंकि मुंबई विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में इस अवधि के दौरान परीक्षाएं निर्धारित थीं, इसलिए विश्वविद्यालय ने एक आधिकारिक बयान जारी कर कॉलेजों को परीक्षाओं का कार्यक्रम बदलने का निर्देश दिया है।

परीक्षाओं का संशोधित कार्यक्रम

विश्वविद्यालय ने अपने बयान में कहा, कॉमर्स, मैनेजमेंट, आट्र्स और एजुकेशन के संबद्ध कॉलेजों के प्रधानाचार्यों तथा दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (CDOE) के निदेशक को सूचित किया जाता है कि महाराष्ट्र सरकार के माननीय उपमुख्यमंत्री श्री अजित आशाताई अनंतराव पवार के 28 जनवरी, 2026 (बुधवार) को हुए दुखद निधन के कारण, 28 जनवरी की दोपहर को होने वाली परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं।

भुसावल में 'मुक्ताई सरस प्रदर्शनी' का भव्य आयोजन

डीबीडी संवाददाता | भुसावल

रावेर लोकसभा क्षेत्र के भुसावल में 'उमेद महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन' के अंतर्गत जिला स्तरीय 'मुक्ताई सरस प्रदर्शनी' आयोजित की गई। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को एक बड़ा मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे परिसर का माहौल बेहद उत्साहपूर्ण रहा और महिला उद्यमियों के उत्पादों को अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

'उमेद' अभियान के माध्यम से महिला सशक्तिकरण

इस अवसर पर रक्षा खड़से ने 'उमेद' अभियान की सराहना करते हुए इसे ग्रामीण महिलाओं के स्वावलंबन का एक सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसी प्रदर्शनियों से स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार मिलता है और महिलाओं की उद्यमशीलता को नई दिशा प्राप्त होती है। इस कार्यक्रम में जिला परिषद की सीईओ मिनल करणवाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

केंद्रीय राज्यमंत्री रक्षा खड़से का महिला उद्यमियों को समर्थन

केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीमती रक्षाताई खड़से ने विशेष रूप से प्रदर्शनी का दौरा किया और विभिन्न स्टालों पर जाकर महिला उद्यमियों से संवाद किया। उन्होंने महिलाओं के परिश्रम और आत्मनिर्भर बनने के उनके प्रयासों की सराहना की। इस दौरान उन्होंने स्वयं भी कई उत्पादों की खरीदारी की, जो महिला उद्यमियों का मनोबल बढ़ाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम रहा।

ठाणे जिला पुस्तकालय कार्यालय को मिलेगा अपना स्थाई भवन

ठाणे। नेरुल में कई वर्षों से किराए के परिसर में चल रहे ठाणे जिला पुस्तकालय अधिकारी कार्यालय को जल्द ही ऐरोली में अपना स्थाई भवन मिलने जा रहा है। सिडको (CIDCO) ने ऐरोली के सेक्टर 8 में इस परियोजना के लिए एक भूखंड आवंटित किया है। यह कदम विभाग की उस लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करता है जो 2008 से लंबित थी। इस स्थाई ठिकाने के मिल जाने से विभाग की प्रशासनिक निर्भरता और बुनियादी ढांचे की समस्या समाप्त हो जाएगी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को 15 करोड़ रुपये की पूर्ण प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है। वर्तमान में नेरुल के सीमित स्थान के कारण विभाग स्मार्ट और डिजिटल लाइब्रेरी जैसी आधुनिक सुविधाएं शुरू करने में असमर्थ था। नए भवन को अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ डिजाइन किया गया है, जिसमें डिजिटल लाइब्रेरी और उन्नत बुनियादी ढांचा शामिल होगा। नए साल में फंड आवंटन की प्रक्रिया शुरू होने के बाद इसका निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। ऐरोली में इस केंद्रीय कार्यालय की स्थापना से ठाणे जिले के छात्रों, शोधकर्ताओं और आम जनता को बड़ा लाभ होगा, क्योंकि सभी पुस्तकालय सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी। अधिकारियों का मानना है कि यह केंद्र न केवल प्रशासनिक दक्षता में सुधार करेगा, बल्कि ऐरोली को जिले में पुस्तकालय प्रशासन और सार्वजनिक शिक्षा के एक प्रमुख केंद्र के रूप में भी स्थापित करेगा।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष प्रसन्नता रहेगी। व्यवसाय व कारोबार में लाभ की स्थिति रहेगी। भाइयों, जीवनसाथी से मनोनुकूल सहयोग प्राप्त होगा। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है।

वृष नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। पूजा-पाठ में मन लगेगा। ज्ञान में वृद्धि होगी। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूल वातावरण बनेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। भाइयों तथा मातहतों का सहयोग मिलेगा। व्यस्तता रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जरूरी निर्णयों में सावधानी आवश्यक है। आय में कमी हो सकती है। नौकरी में सहकर्मियों से विवाद हो सकता है। क्रोध न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराने मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा।

कर्क जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें।अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। अपरिचित व्यक्ति की बातों में न आएं। कुसंगति से बचें। बेवजह विवाद हो सकता है। लोगों की अपेक्षा पर आप खरे नहीं उतर पाएंगे।

सिंह पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त हो सकता है। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। अध्ययन में मन लगेगा। मार्गदर्शन प्राप्त होगा। उत्साह में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी। नए-नए विचार मन में आएंगे। जल्दबाजी न करें।

कन्या बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नया कार्य प्रारंभ करने की योजना बनेगी। प्रभावशाली व्यक्तियों से सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

तुला रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। शत्रुता में वृद्धि हो सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। लाभ व उन्नति के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों से मतभेद दूर होंगे। जीवन सुखमय रहेगा। भाग्य का साथ मिलेगा।

वृश्चिक धैर्य रखें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी नाराज रहेंगे। काम पर अधिक ध्यान देना पड़ेगा। भागदौड़ रहेगी। आय में निश्चितता रह सकती है।

धनु आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। थकान महसूस होगी। व्यस्तता रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। काम में अधिक ध्यान दे पाएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन होगा।

मकर घर-बाहर सम्मान मिलेगा। प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। प्रमाद न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं।

कुंभ नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिल सकता है। भाग्य का साथ मिलेगा। जोखिम उठाने का मन बनेगा। परिवार का सहयोग मिलेगा। आर्थिक नीति में सुधार व परिवर्तन हो सकता है।

मीन नए कार्य प्रारंभ करने की योजना बनेगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। कानूनी अड़चन आ सकती है। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। रुका हुआ पैसा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

पितृ दोष – क्या यह सच में होता है या केवल मन का डर है?

प्रियंका जैन
9769994439

पढ़े-लिखे, योग्य बच्चों का वर्षों तक बेरोजगार रह जाना। एक ही परिवार की कई पीढ़ियों में विवाह टूटना या रिश्तों का स्थायी न हो पाना। कहीं न कहीं नशे या व्यसन की प्रवृत्ति का पीढ़ी दर पीढ़ी चला आना। धन का आना, लेकिन उसके साथ शांति का न टिक पाना। युवाओं की असमय और अचानक मृत्यु। कैंसर, ट्यूमर या गंभीर बीमारियों का बार-बार परिवार में प्रकट होना। रात के समय बिना किसी स्पष्ट कारण के घर के कुछ हिस्सों से अजीब गंध का आना। तुलसी जैसे पवित्र पौधे का बार-बार सूख जाना। अच्छे ग्रह योग होते हुए भी विवाह में असामान्य विलंब। यहाँ तक कि घर के पालतू कुत्तों का बार-बार बीमार पड़ना या कम उम्र में मर जाना, क्योंकि माना जाता है कि वे नकारात्मक ऊर्जा को अपने ऊपर ले लेते हैं।

ज्योतिष की दृष्टि से पितृ दोष का मूल आधार सूर्य और राहु से जुड़ा है। सूर्य पूर्वजों, पिता और वंश परंपरा का प्रतीक है। जब सूर्य कमजोर होता है, तो यह माना जाता है कि पूर्वजों का आशीर्वाद पूरी तरह प्रवाहित नहीं हो पा रहा। वहीं राहु अपूर्ण कर्मों, अधूरे संस्कारों और अनसुलझे कर्ज का प्रतीक है। जब राहु अत्यधिक प्रबल हो जाता है और सूर्य कमजोर अवस्था में होता है, तो पितृ दोष का निर्माण होता है। यह केवल ग्रहों की स्थिति नहीं, बल्कि एक संकेत होता है कि वंश की ऊर्जा कहीं अटकी हुई है।

आध्यात्मिक स्तर पर इसका अर्थ और भी गहरा हो जाता है। माना जाता है कि कुछ आत्माएँ मोक्ष की प्रतीक्षा में होती हैं। वे अपने वंश में उस आत्मा को खोजती हैं, जो सबसे अधिक संवेदनशील, ईमानदार और आध्यात्मिक रूप से सक्षम हो, ताकि उसके माध्यम से उन्हें शांति मिल सके। इसी कारण अक्सर देखा जाता है कि परिवार का सबसे सच्चा, सबसे जिम्मेदार और सबसे संवेदनशील व्यक्ति ही सबसे अधिक संघर्ष झेलता है। लोग अक्सर सवाल करते हैं कि जो गलत करता है, छल करता है, उसका जीवन अपेक्षाकृत आसान क्यों लगता है, जबकि जो सही रास्ते पर चलता है, उसी पर मुसीबतें क्यों आती हैं। इसका उत्तर यही माना जाता है कि पूर्वज उसी आत्मा पर भरोसा करते हैं, जिसे वे अपने उद्धार के योग्य समझते हैं।

बहुत से लोग श्राद्ध, तर्पण या गया जैसे स्थानों पर पिंडदान करने के बाद भी कहते हैं कि उनके जीवन में कोई विशेष बदलाव नहीं आया। इसका कारण यह नहीं कि पितृ दोष का सिद्धांत गलत है, बल्कि यह है कि आज के समय में इन कर्मों को भी औपचारिकता बना दिया गया है। केवल किसी पंडित को पैसे भेज देना, मोबाइल पर बात कर लेना या ऑनलाइन पूजा "करा लेना" पर्याप्त नहीं होता। इन प्रक्रियाओं में स्वयं की उपस्थिति, श्रद्धा, भावनात्मक जुड़ाव और शुद्ध आचरण अत्यंत आवश्यक है। यदि व्यक्ति का जीवन छल, झूठ और अधर्म से भरा हुआ है, तो वही धन और संसाधन अंततः रोग, हानि और अशांति में खर्च हो जाते हैं। पूर्वजों को याद करना केवल साल में एक दिन का काम नहीं, बल्कि एक निरंतर भाव है, जिसमें नियमित रूप से स्मरण, प्रार्थना और कृतज्ञता शामिल होनी चाहिए।

न्यूज़ ब्रीफ

अजित पवार के निधन पर मुख्यमंत्री योगी ने जताया दुख

लखनऊ। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन की खबर से राजनीतिक जगत में शोक की लहर है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दुखद घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि विमान हादसे में हुआ यह नुकसान अत्यंत पीड़ादायक है। मुख्यमंत्री योगी ने दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी सहानुभूति प्रकट की और ईश्वर से उन्हें संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी संदेश में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अजित पवार का सार्वजनिक जीवन प्रदेश और देश की राजनीति के लिए महत्वपूर्ण रहा है। उनके आकस्मिक निधन से देश ने एक अनुभवी जननेता को खो दिया है। इस दुख की घड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ी है और ईश्वर से सभी दिवंगतों को शांति प्रदान करने की कामना करती है।

माइनस 16 में केदारनाथ की सुरक्षा में सक्रिय ITBP

देहरादून। भीषण हिमपात और माइनस 16 डिग्री सेल्सियस से नीचे तापमान के बावजूद केदारनाथ धाम में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सतर्क है। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस और रुद्रप्रयाग पुलिस के जवान कठिन मौसम से जूझते हुए मंदिर परिसर और आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी कर रहे हैं। चारों ओर जमी बर्फ के बीच जवानों ने हाल ही में गणतंत्र दिवस पर तिरंगा फहराकर अपने जज्बे का परिचय दिया। मंदिर के कपाट बंद होने के बावजूद धाम और वहां निर्मित सरकारी परिसंपत्तियों की सुरक्षा कड़ी निगरानी में रखी जा रही है।

अलंकार अग्निहोत्री के आवास पर नोटिस चस्पा, रामजनम की तैनाती

बरेली। सिटी मजिस्ट्रेट पद से इस्तीफा देने के बाद निलंबित पीसीएस अधिकारी अलंकार अग्निहोत्री के मामले में जिला प्रशासन ने त्वरित कदम उठाए हैं। बुधवार को उनके सरकारी आवास पर नोटिस चस्पा किया गया, जबकि प्रशासनिक व्यवस्था सुचारु रखने के लिए अपर उप जिलाधिकारी सदर रामजनम यादव को प्रभारी नगर मजिस्ट्रेट का अतिरिक्त दायित्व सौंपा गया है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था कार्यहित में अग्रिम आदेश तक लागू रहेगी और इसके लिए कोई अतिरिक्त भत्ता देय नहीं होगा। इस बीच एहतियातन सिटी मजिस्ट्रेट आवास क्षेत्र में पुलिस बल तैनात रहा।

आजमगढ़ मेडिकल कॉलेज में रैगिंग, सीएम से हस्तक्षेप की मांग

आजमगढ़। राजकीय मेडिकल कॉलेज, चक्रपानपुर आजमगढ़ में छात्रों के साथ कथित रैगिंग को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जूनियर छात्र-छात्राओं के शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न के आरोपों के बीच भदोही के अधिवक्ता राहुल कुमार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर मामले में त्वरित कार्रवाई और स्वतंत्र जांच की मांग की है। शिकायत में कहा गया है कि कॉलेज के हॉस्टल और परिसर में रैगिंग की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे नए छात्रों में भय का माहौल बना हुआ है।

UGC कानून पर मायावती ने कहा- भेदभाव मिटाने की दिशा में जरूरी कदम

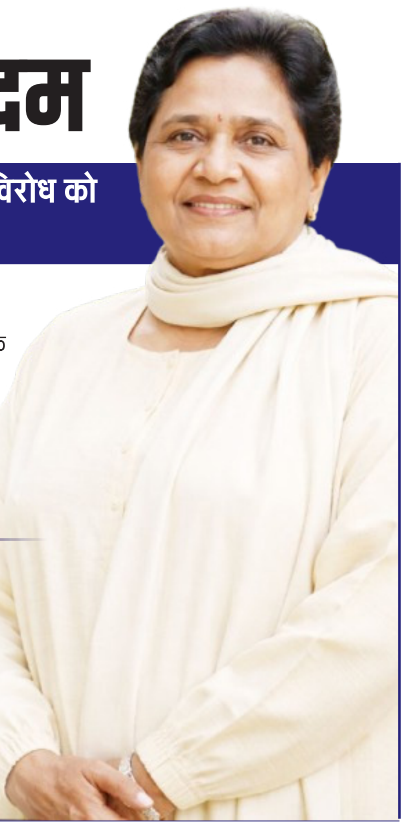

एजेंसी । लखनऊ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा उच्च शिक्षण संस्थानों में इक्विटी कमेटियों के गठन को अनिवार्य किए जाने को लेकर जारी बहस के बीच बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने नए नियमों के पक्ष में खुलकर समर्थन जताया है। उन्होंने सामान्य वर्ग के एक हिस्से द्वारा किए जा रहे विरोध को गलत ठहराते हुए कहा कि इसे भेदभाव या साजिश के रूप में देखना उचित नहीं है।

यूजीसी के नए प्रावधानों पर किए जा रहे विरोध को बताया अनुचित

'एक्स' पर साझा किया बयान

मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी बयान में कहा कि देश के सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में जातिगत भेदभाव की शिकायतों के समाधान के लिए समता समितियों का गठन आवश्यक है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग जातिवादी सोच के चलते इन नियमों को अपने खिलाफ बताकर विरोध कर रहे हैं, जबकि इसका उद्देश्य समानता और न्याय को मजबूत करना है।

लागू करने से पहले संवाद जरूरी

हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि यदि इन नियमों को लागू करने से पहले सभी वर्गों से संवाद किया जाता, तो सामाजिक तनाव की स्थिति से बचा जा सकता था। बसपा प्रमुख ने दलितों और पिछड़े वर्गों से अपील की कि वे स्वार्थी और अवसरवादी नेताओं के भड़काऊ बयानों से सावधान रहें। उन्होंने कहा कि ऐसे नेता सामाजिक मुद्दों की आड़ में केवल राजनीतिक लाभ के लिए बयानबाजी करते हैं और समाज को भ्रमित करते हैं।

अजित के निधन पर जताया शोक

इसी बीच मायावती ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे में निधन पर भी गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अजित पवार देश की राजनीति का एक अहम चेहरा थे और उनका इस तरह असमय जाना अत्यंत पीड़ादायक है। बसपा प्रमुख ने दिवंगत नेता के परिजनों और समर्थकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से उन्हें इस दुख को सहन करने की शक्ति देने की कामना की।

कब्जा, अतिक्रमण के मामलों में कोई राहत नहीः योगी आदित्यनाथ

- सीएम ने भूमाफियाओं के खिलाफ सख्ती से कार्यवाही के दिए निर्देश
- जनता दर्शन में सीएम ने कहा- इलाज के लिए धन की नहीं होगी कमी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भूमाफियाओं और दबंगों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अवैध कब्जे के मामलों में किसी भी स्तर पर ढिलाई न बरती जाए। उन्होंने कहा कि जिस किसी की जमीन पर जबरन कब्जा किया गया है, उसे तत्काल मुक्त कराया जाए और दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि कमजोरों का शोषण करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने स्वयं लोगों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनीं। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 150 फरियादियों से सीएम ने सीधे संवाद किया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार का संकल्प है कि प्रदेश में किसी के साथ अन्याय न हो और हर नागरिक के जीवन में सुरक्षा व खुशहाली सुनिश्चित की जाए। जनता दर्शन के दौरान जमीन पर अवैध कब्जे से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि न सिर्फ जमीन को कब्जामुक्त कराया जाए, बल्कि भविष्य में दोबारा ऐसी स्थिति न बने, इसकी भी पुख्ता व्यवस्था की जाए।

बलिया मैराथन में इथियोपिया के फिरोनशा अव्वल

- 42 किलोमीटर की कठिन दौड़ में देश-विदेश के धावकों ने दिखाया दमखम
- मुजफ्फरपुर के अक्षय दूसरे स्थान और दिल्ली के अमरेश तीसरे स्थान पर

बलिया। पूर्वांचल की धरती पर आयोजित बाबू मैनेजर सिंह मैराथन इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय रंग में रंगी नजर आई। बुधवार को संपन्न हुई 42 किलोमीटर लंबी इस प्रतिष्ठित दौड़ में इथियोपिया के धावक फिरोनशा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया और प्रतियोगिता अपने नाम कर ली। वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम, बलिया से शुरू होकर बैरिया स्थित बाबू मैनेजर सिंह स्मारक तक आयोजित इस मैराथन का शुभारंभ प्रदेश के खेल मंत्री गिरीश यादव ने किया। प्रतियोगिता का आयोजन प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह की पहल पर किया गया, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के साथ विदेशी एथलीटों ने भी भाग लिया। कड़े मुकाबले में मुजफ्फरपुर के अक्षय कुमार ने दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि दिल्ली के अमरेश प्रजापति तीसरे पायदान पर रहे। मध्य प्रदेश के सतना से आए अभिषेक सोनी चौथे और मुजफ्फरपुर के ही आकाश कुमार ने पांचवां स्थान हासिल किया। विजेता फिरोनशा को 2 लाख 25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए खेल मंत्री गिरीश यादव ने कहा कि इस तरह की मैराथन प्रतियोगिताएं युवाओं को खेलों से जोड़ने के साथ-साथ अनुशासन और बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करती हैं। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शरीर को सशक्त बनाते हैं, बल्कि मानसिक दृढ़ता, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच को भी मजबूत करते हैं। कहा, ऐसे आयोजन 'फिट इंडिया' और 'खेलो इंडिया' जैसे राष्ट्रीय अभियानों को जमीनी स्तर पर मजबूती देते हैं। कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष संजय मिश्रा, पूर्व मंत्री नारद राय, राज्य महिला आयोग की सदस्य सुनीता श्रीवास्तव, पूर्व ब्लॉक प्रमुख गुड्डू राय, जिला मंत्री अरुण सिंह बंटू, कृष्णा पाण्डेय सहित अनेक जनप्रतिनिधि और खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

तीन जिला अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी

- ई-मेल से मिली धमकी पर मचा हड़कंप, सुरक्षा प्रोटोकाल लागू
- सीवान, मुजफ्फरपुर और भागलपुर की अदालतों के लिए आई धमकी

पटना। बिहार में न्यायिक संस्थानों की सुरक्षा को लेकर बुधवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब सीवान, मुजफ्फरपुर और भागलपुर की जिला अदालतों को बम धमाके की धमकी वाले ई-मेल मिले। एक साथ तीन अदालतों को निशाना बनाए जाने की सूचना से प्रशासन और पुलिस महकमा सतर्क हो गया और तत्काल सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू कर दिए गए। मुजफ्फरपुर सिविल कोर्ट को भेजे गए ई-मेल में सिलसिलेवार विस्फोट और आत्मघाती हमले का उल्लेख किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला जज के निर्देश पर कोर्ट परिसर को तुरंत खाली कराया गया। न्यायिक कर्मचारी, अधिवक्ता और आम नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके बाद बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वायड ने परिसर की गहन तलाशी शुरू की। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद रहकर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं।

सूचना मिलते ही सील हुआ परिसर

सीवान सिविल कोर्ट में भी इसी तरह का धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसमें दोपहर के समय हमले की बात कही गई थी। सूचना मिलते ही कोर्ट परिसर को सील कर दिया गया और पूरे क्षेत्र को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। वाहनों की सघन जांच के साथ वकीलों और कर्मचारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। भागलपुर सिविल कोर्ट को मिली धमकी के बाद प्रशासन ने तुरंत जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को अवगत कराया। एंटी बम स्क्वॉड और एंटी-सैबोटेज टीम को तैनात कर परिसर की जांच कराई जा रही है। तीनों मामलों में धमकी भेजने वाले की पहचान के लिए साइबर सेल सक्रिय कर दी गई है।

उत्तराखंडः हाइड्रोजन नीति समेत आठ प्रस्तावों को स्वीकृति

- सीएम पुष्कर धामी की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिए गए फैसले
- अजित पवार के निधन पर दो मिनट का मौन रख जताया शोक

देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने स्वच्छ ऊर्जा और विकास को गति देने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन को प्रोत्साहित करने वाली 'उत्तराखंड हाइड्रोजन नीति-2026' सहित कुल आठ महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में बुधवार को सचिवालय में हुई मंत्रिमंडल बैठक में स्वास्थ्य, उद्योग, ऊर्जा, शिक्षा और जनजातीय कल्याण से जुड़े फैसलों पर मुहर लगाई गई। बैठक की शुरुआत महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और विमान हादसे में जान गंवाने वाले अन्य लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। कैबिनेट ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री धामी ने इस दुर्घटना को अत्यंत पीड़ादायक बताते हुए कहा कि अजित पवार का सार्वजनिक जीवन समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण के प्रति समर्पित रहा। बैठक के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए अपर सचिव बंशीधर तिवारी ने बताया कि राज्य में हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाइड्रोजन नीति को मंजूरी दी गई है, जिससे उत्तराखंड को स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में नई पहचान मिलेगी।

निवेशकों की जेब में आए छह लाख करोड़ रुपए

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन मजबूती, डिफेंस, कैपिटल गुड्स सेक्टर में जमकर खरीदारी

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन मजबूत बंद हुआ। सेंसेक्स 0.60 प्रतिशत और निफ्टी 0.66 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुए, जिससे निवेशकों की संपत्ति में लगभग 6.06 लाख करोड़ रुपए का इजाफा हुआ। दिनभर के कारोबार में डिफेंस और कैपिटल गुड्स सेक्टर में जोरदार खरीदारी रही। बीएसई का मिडकैप 1.69 प्रतिशत और स्मॉलकैप 1.81 प्रतिशत मजबूत होकर बंद हुआ। वहीं, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर में हल्की बिकवाली देखने को मिली। आज 4,373 शेयरों में सक्रिय ट्रेडिंग हुई, जिनमें 2,945 शेयर बढ़त में और 1,291 शेयर गिरावट में रहे। एनएसई में 2,917 शेयरों में से 2,254 हरे निशान में बंद हुए।

गेनर्स की सूची में ओएनजीसी, कोल इंडिया

सेंसेक्स दिनभर के उतार-चढ़ाव के बावजूद 82,344.68 अंक और निफ्टी 25,342.75 अंक पर मजबूती के साथ बंद हुआ। प्रमुख गेनर्स में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, ओएनजीसी और कोल इंडिया शामिल रहे, जबकि टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और एशियन पेंट्स आज के सबसे बड़े लूजर्स रहे। विशेषज्ञों का कहना है कि बाजार की मजबूती में निवेशकों का भरोसा और विशेष सेक्टरों में बढ़ी मांग प्रमुख कारण हैं।

औद्योगिक उत्पादन 7.8% बढ़कर दो साल के उच्चतम स्तर पर

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत के औद्योगिक उत्पादन ने दिसंबर में तेजी का नया रुख दिखाया है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार, देश का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) दिसंबर, 2025 में 7.8 फीसदी बढ़कर दो साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। विशेषज्ञों का मानना है कि यह रफ्तार घरेलू उत्पादन और आर्थिक गतिविधियों में मजबूती का संकेत देती है, जिससे उद्योगों में निवेश और रोजगार के अवसरों में सुधार की उम्मीद बढ़ गई है।

औद्योगिक उत्पादन अनुमान संशोधित

एनएसओ ने नवंबर, 2025 के औद्योगिक उत्पादन अनुमान को भी संशोधित कर 7.2 फीसदी कर दिया है, जो पहले 6.7 फीसदी आंका गया था। हालांकि चालू वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल-दिसंबर) की कुल औद्योगिक वृद्धि दर सालाना आधार पर 3.9 फीसदी रही, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 4.1 फीसदी थी।

विनिर्माण में 8.1 फीसद का उछाल

इस वृद्धि में खनन, विनिर्माण और बिजली क्षेत्रों की मजबूत उत्पादकता मुख्य रूप से जिम्मेदार रही। विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन में 8.1 फीसदी का उछाल देखा गया, जबकि खनन क्षेत्र में 6.8 फीसदी और बिजली उत्पादन में 6.3 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। ये सभी पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में काफी अधिक हैं।

चांदी ने पकड़ी राकेट की रफ्तार

- चेन्नई में चांदी का भाव चार लाख प्रति किलो तक पहुंचा
- अन्य बाजारों में भी तेजी, कीमत 3.79 लाख रुपये प्रति किलो

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी की कीमतों ने आज रॉकेट की रफ्तार पकड़ ली। चेन्नई में हाजिर चांदी का भाव 4 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर तक पहुँच गया, जबकि देश के अन्य प्रमुख बाजारों में यह 3,79,800 रुपये से 4 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के बीच कारोबार कर रही है। दिल्ली में चांदी आज 3,80,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंची। मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में 3,79,800 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार हुआ, जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में यह 3,80,100 रुपये प्रति किलोग्राम रही। बेंगलुरु में 3,80,300 रुपये और पटना तथा भुवनेश्वर में 3,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर हाजिर चांदी बिक रही है। हैदराबाद में 3,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव के साथ तेजी देखने को मिली।

चांदी में निवेश मतलब कोई रिस्क नहीं

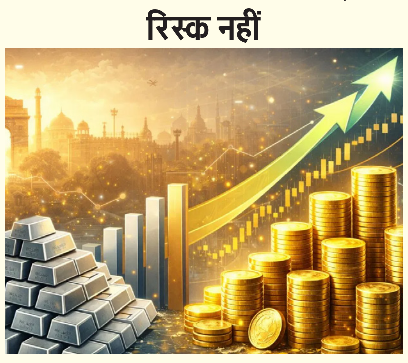

विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक स्तर पर जारी भू-राजनीतिक तनाव और सुरक्षित निवेश की मांग ने चांदी के दामों को मजबूती दी है। साथ ही, औद्योगिक मांग में वृद्धि भी घरेलू कीमतों में तेजी का एक बड़ा कारण बनी है। निवेशक सुरक्षित विकल्प तलाशते हुए चांदी और सोने की ओर अधिक आकर्षित हो रहे हैं, जिससे हाजिर चांदी का बाजार भाव लगातार ऊंचाई पर बना हुआ है।

कनिष्क अल्युमिनियम का IPO लॉन्च 30 जनवरी तक सब्सक्रिप्शन खुला

नई दिल्ली। अल्युमिनियम उत्पाद निर्माता कंपनी कनिष्क अल्युमिनियम इंडिया लिमिटेड ने 29.20 करोड़ रुपये के अपने IPO को आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया। निवेशक इस IPO में 30 जनवरी तक बोली लगा सकते हैं। अलॉटमेंट 2 फरवरी को होगा और 3 फरवरी से शेयर निवेशकों के डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी ने शेयर की कीमत 73 रुपये प्रति शेयर तय की है, और लॉट साइज 1,600 शेयर का रखा गया है। रिटेल निवेशकों के लिए दो लॉट तक बोली लगाने का विकल्प है, जिसके लिए 2,33,600 रुपये का निवेश करना होगा। कुल 40 लाख नए शेयर 10 रुपये फेस वैल्यू के साथ जारी किए जा रहे हैं। इस IPO में रिटेल निवेशकों को 47.52%, नॉन-इंस्टीट्यूशनल निवेशकों को 47.48% और मार्केट मेकर्स के लिए 5% हिस्सा आरक्षित है। सन कैपिटल एडवाइजरी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड बुक रनिंग लीड मैनेजर है, केफिन टेक्नोलॉजीज रजिस्ट्रार और सनफ्लावर ब्रोकिंग मार्केट मेकर के रूप में काम कर रहे हैं।

लगातार बढ़ रहा कंपनी का मुनाफा

कंपनी के वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन वित्तीय वर्षों में शुद्ध लाभ में उतार-चढ़ाव देखा गया है। 2022-23 में शुद्ध लाभ 1.76 करोड़, 2023-24 में 1.52 करोड़ और 2024-25 में बढ़कर 3.04 करोड़ रुपये रहा। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर 2025) में कंपनी का शुद्ध लाभ 2.15 करोड़ रुपये रहा। राजस्व में मामूली वृद्धि और कर्ज के स्तर में उतार-चढ़ाव के बीच कंपनी के रिज़र्व और सरप्लस लगातार बढ़ रहे हैं। 2022-23 में 1.11 करोड़ रुपये से यह 2025 की पहली छमाही तक बढ़कर 9.28 करोड़ रुपये हो गया। EBITDA भी 2022-23 में 4.06 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में 6.63 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जबकि मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही में यह 4.08 करोड़ रुपये रहा।

मारुति सुजुकीः तीसरी तिमाही में 4% बढ़ा मुनाफा

- बीते वर्ष इसी तिमाही में 3,727 करोड़ रुपये के मुकाबले 3,879 करोड़ रुपये पर

एजेंसी । नई दिल्ली

नई दिल्ली। देश की प्रमुख कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (MSIL) ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के वित्तीय नतीजे जारी कर दिए हैं। 31 दिसंबर को समाप्त तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 4 फीसदी बढ़कर 3,879 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष इसी तिमाही में 3,727 करोड़ रुपये था।

एकमुश्त प्रावधान से मिला फायदा

कंपनी ने बताया कि नई श्रम संहिता के तहत 594 करोड़ रुपये के एकमुश्त प्रावधान ने तिमाही के लाभ पर प्रभाव डाला। इसके बावजूद परिचालन आय में मजबूती दिखाई दी और तीसरी तिमाही में कुल राजस्व बढ़कर 49,904 करोड़ रुपये पहुँच गया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 की इसी अवधि में यह 38,764 करोड़ रुपये था। विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ती बिक्री और परिचालन दक्षता ने मारुति सुजुकी को लाभ में स्थिर वृद्धि बनाए रखने में मदद की है, जिससे कंपनी की वित्तीय स्थिति मजबूत बनी हुई है।

11वीं बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने पर नोवाक की नजर

फाइनल के लिए जोकोविच और सिनर में होगी कड़ी जंग

दो सेट हारने के बाद पलटी नोवाक की किस्मत, मुसेटी के हटने से सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी । मेलबर्न

ऑस्ट्रेलियन ओपन में बुधवार को एक नाटकीय मोड़ देखने को मिला। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच, जो मैच में पिछड़ रहे थे और टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर थे, किस्मत के सहारे सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। उनके प्रतिद्वंद्वी और पांचवीं वरीयता प्राप्त इटली के लोरेंजो मुसेटी को चोट के कारण बीच मैच से हटना पड़ा।

जोकोविच पर किस्मत मेहरबान

इस टूर्नामेंट में जोकोविच पर किस्मत खासी मेहरबान रही है। प्री-क्वार्टर फाइनल में उनके प्रतिद्वंद्वी याकूब मेनसिक मैच से एक दिन पहले ही चोट के कारण हट गए थे, जिससे जोकोविच को वॉकओवर मिला था। अब क्वार्टर फाइनल में भी उन्हें पूरा मैच नहीं खेलना पड़ा। पिछले दो मैचों में उन्हें बमुश्किल दो सेट खेलने का मौका मिला है, जिससे वे सेमीफाइनल के लिए तरोताजा रहेंगे।

दो सेट हारने के बाद पलटी बाजी

मैच की शुरुआत में मुसेटी पूरी तरह हावी थे। उन्होंने पहले दो सेट 6-4, 6-3 से जीतकर जोकोविच को बैकफुट पर धकेल दिया था। जोकोविच स्वयं मान रहे थे कि वह 'घर वापस लौटने के बारे में सोचने लगे थे'। लेकिन तीसरे सेट के तीसरे गेम में मुसेटी के दाहिने पैर के ऊपरी हिस्से में चोट लग गई। उन्होंने मेडिकल टाइमआउट लिया और खेलने की कोशिश की, लेकिन दर्द के कारण तीसरे सेट में 1-3 से पीछे रहने के दौरान उन्हें मैच छोड़ना पड़ा।

नंबर गेम

02 सेट जीतने के बाद ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल से हटने वाले मुसेटी ओपन युग के पहले खिलाड़ी हैं

103 वीं जीत मेलबर्न में दर्ज कर जोकोविच ने रोजर फेडरर (102) का रिकॉर्ड तोड़ा

13 वीं बार साल के पहले ग्रैंड स्लैम के अंतिम चार में पहुंचे नोवाक। दस बार जीत चुके हैं ट्रॉफी

"मुझे उसके लिए बहुत दुख हो रहा है। वह मुझसे कहीं बेहतर प्रदर्शन कर रहा था। मेरी छुट्टी होने वाली थी। खेल में इस तरह की चीजें होती रहती हैं। मेरे साथ भी ऐसा हुआ है।
-नोवाक जोकोविच

1400 या अधिक मैच खेलने वाले खिलाड़ी

खिलाड़ी	मैच	जीत/हार	जीत प्रतिशत
जिमी कोनर्स	1557	274/283	81.8
फेडरर	1526	1251/275	82.0
जोकोविच	1400	1068/242	81.5

अब 'सिनर' की कठिन चुनौती

फाइनल में जगह बनाने के लिए अब जोकोविच को दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी और मौजूदा चैंपियन यानिक सिनेर (Jannik Sinner) की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। दो बार के मौजूदा चैंपियन सिनेर ने क्वार्टर फाइनल में आठवें नंबर के खिलाड़ी बेन शेल्टन को सीधे सेटों में 6-3, 6-4, 6-4 से हराया। सिनेर पिछले तीन साल से ऑस्ट्रेलियन ओपन में अजेय हैं और ओपन युग में लगातार छह ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले छठे खिलाड़ी बन गए हैं।

रयाबाकिना ने स्वियातेक को किया बाहर

पांचवीं वरीयता प्राप्त एलिना रयाबाकिना और छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगी। रयाबाकिना ने दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से पराजित किया। छठी वरीय पेगुला ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा को 6-1, 7-6 मात दी। रूस में जन्मीं लेकिन कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करने वाली रयाबाकिना ने स्वियातेक के करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने का इंतजार और बढ़ा दिया है।

बरुआ ने किया मालविका को बाहर, जॉर्ज और थरुण जीते

बैंकॉक। बैंकॉक में आयोजित टूर्नामेंट में कई भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार शुरुआत करते हुए दूसरे दौर में जगह पक्की की। किरण जॉर्ज ने महज 27 मिनट में जीत दर्ज की, जबकि मिथुन मंजूनाथ ने आठवीं वरीयता प्राप्त डेनमार्क के खिलाड़ी को हराकर बड़ा उलटफेर किया। युवा शटलर अनमोल खरब, थरुण मन्नेपल्ली और श्रियांशी वालिशेट्टी भी अपने मुकाबले जीतने में सफल रहे। एक रोमांचक मुकाबले में ईशारानी बरुआ ने हमवतन मालविका बंसोड़ को सीधे गेमों में 21-12, 21-8 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया, जहाँ अब उनका सामना दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी से होगा। मिश्रित युगल में ध्रुव रावत और मनीषा के. की जोड़ी ने भी जीत हासिल की।

मालविका बंसोड़ और अन्य को मिली निराशा

टूर्नामेंट का पहला दिन कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के लिए निराशाजनक रहा। मालविका बंसोड़ अपनी लय हासिल करने में नाकाम रहीं और पहले ही दौर में बाहर हो गईं। उनके अलावा, तसनीम मीर, अनुपमा उपाध्याय, तान्या हेमंत और प्रियांशु राजावत जैसे खिलाड़ी भी अपनी चुनौती पेश नहीं कर सके और पहले दौर में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पुरुष एकल में मनराज सिंह और एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यन को भी हार का सामना करना पड़ा।

गुकेश हारे, प्रज्ञाननंदा की पहली जीत

एजेंसी । विज्क आन ली

टाटा स्टील शतरंज

प्रतिष्ठित टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट का नौवां दौर भारतीय फैंस के लिए मिले-जुले परिणाम लेकर आया। टूर्नामेंट में सबसे बड़ा उलटफेर तब देखने को मिला जब मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा। गुकेश के लिए यह हार इसलिए भी अधिक परेशान करने वाली रही क्योंकि वह सफेद मोहरों से खेल रहे थे, जो शतरंज में फायदे की स्थिति मानी जाती है। हालांकि, जर्मन खिलाड़ी के सटीक खेल के आगे गुकेश को महज 37 चालों के बाद अपनी हार माननी

प्रज्ञाननंदा को मिली पहली सफलता, अर्जुन का ड्रॉ

दूसरी ओर, कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का टिकट पक्का कर चुके भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा के लिए नौवां दौर राहत भरा रहा। उन्होंने अपने ही हमवतन अरविंद चिदंबरम को हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। हालांकि, यह जीत काफी देर से आई है, लेकिन इससे उनका आत्मविश्वास जरूर बढ़ेगा।

शीर्ष पर अब्दुसत्तोरोव का कब्जा बरकरार

टूर्नामेंट की अंक तालिका में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए हैं। उन्होंने अपने हमवतन और विश्व कप विजेता जावोखिर सिंदारोव के साथ बाजी ड्रॉ खेली, जिसके बाद वह 6 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर काबिज हैं। सिंदारोव 5.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। उनके साथ नीदरलैंड्स के जोर्डन वान फोरेस्ट और तुर्किये के यागिज कान एरदोग्मुस भी 5.5 अंकों के साथ दूसरे पायदान पर मौजूद हैं।

युवा प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन

नौवें दौर में कुछ अन्य मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। पूर्व चैंपियन जोर्डन वान फोरेस्ट ने दिन का सबसे प्रभावशाली खेल दिखाते हुए जर्मनी के विंसेंट कीमर को सिर्फ 26 चालों में ही मात दे दी। इसके अलावा, तुर्किये के 14 वर्षीय वंडरकिड यागिज कान एरदोग्मुस ने चेक गणराज्य के थाई दाई वान गुयेन को हराकर यह साबित कर दिया कि वह दुनिया के सबसे युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में क्यों गिने जाते हैं।

सूर्य की शीर्ष दस में वापसी, अभिषेक की बादशाहत कायम

7वें स्थान पर पहुंचे यादव पांच पायदान की छलांग लगाकर

एजेंसी । दुबई

भारतीय टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव फॉर्म में लौट आए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार दो नाबाद अर्धशतक लगाने का इनाम उन्हें रैंकिंग में भी मिला है। मुंबई का यह विस्फोटक बल्लेबाज बुधवार को जारी ताजा आईसीसी टी-20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में फिर से शीर्ष दस में शुमार हो गया है। सूर्यकुमार पांच पायदान की छलांग लगाकर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। ओपनर अभिषेक शर्मा ने अपनी बादशाहत बरकरार रखी है। सूर्यकुमार पांच मैचों की सीरीज के तीन मुकाबलों में 171 की औसत से सर्वाधिक 171 रन बना चुके हैं।

टी20 विश्वकप के बाद बांग्लादेश के निशाने पर U-19 विश्वकप

ढाका। टी20 विश्व कप 2026 से पहले ड्रामा करके बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) का मन नहीं भरा था, अब उन्होंने अंडर-19 विश्व कप में भी नया क्लेश करने की ठान ली है। भले ही उनकी अंडर-19 टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई है, लेकिन बीसीबी ने नए बयान से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पर अनुचित कार्यक्रम का आरोप लगाया है। बीसीबी के गेम डेवलपमेंट कोऑर्डिनेटर हबीबुल बशर ने कहा कि टीम की हार के पीछे केवल प्रदर्शन नहीं, बल्कि खिलाड़ियों पर डाले गए अत्यधिक यात्रा दबाव की भी बड़ी भूमिका रही।

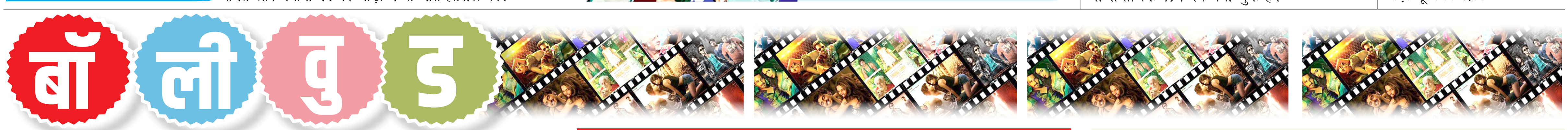

दिलजीत के बचाव में उतरे भूषण कुमार

बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर रही फिल्म 'बॉर्डर 2' के निर्माता भूषण कुमार ने अभिनेता दिलजीत दोसांझ को लेकर चल रहे विवादों पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। पिछले साल 'सरदार जी 3' में पाकिस्तानी अभिनेत्री के साथ काम करने के कारण दिलजीत को भारी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद उन्हें फिल्म से हटाने की मांग उठी थी। अब भूषण कुमार ने साफ कर दिया है कि वो ट्रोलर्स के दबाव में आने वाले नहीं हैं। पिछले साल जून में जब फिल्म 'बॉर्डर 2' की शूटिंग चल रही थी, तब दिलजीत अपनी पंजाबी फिल्म 'सरदार जी 3' में पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर के साथ नजर आए थे। अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले के कारण सीमा पर तनाव चरम पर था, जिसके चलते सोशल मीडिया पर दिलजीत को जमकर ट्रोल किया गया। मांग उठने लगी थी कि उन्हें 'बॉर्डर 2' और अनीस बज्मी की 'नो एंट्री में एंट्री' से बाहर कर दिया जाए। अफवाहें थीं कि टी-सीरीज के मालिक भूषण कुमार दबाव में आकर दिलजीत को रिप्लेस कर सकते हैं। हालांकि, अब फिल्म की रिलीज के बाद भूषण ने दिए इंटरव्यू में साफ कहा, हम भाग्यशाली थे कि हमें सभी बेहतरीन कलाकार मिले।

'बॉर्डर 2' का बॉक्स ऑफिस पर धमाका

साल 1997 की 'बॉर्डर' के करीब 30 साल बाद आया ये सीक्वल न केवल पुरानी यादें ताजा कर रहा है, बल्कि कमाई के नए कीर्तिमान भी स्थापित कर रहा है। भूषण और जेपी दत्ता द्वारा निर्मित ये फिल्म महज 5 दिनों में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ी बनने से बस इंचभर दूर रह गई है। फिल्म में सनी देओल संग वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ मुख्य भूमिकाओं में हैं। 'बॉर्डर 3' की घोषणा भी हो चुकी है।

अली फजल-ऋचा चड्ढा करेंगे नई सीरीज का निर्माण

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने पति अली फजल के साथ 2024 में फिल्म निर्माता के क्षेत्र में कदम रखा था। शुचि तलाती द्वार निर्देशित उनकी फिल्म 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी जो अब अमेजन प्राइम वीडियो पर मौजूद है। बॉलीवुड की यह जोड़ी अब एक और कहानी को दुनिया के सामने परोसने के लिए तैयार है। दिलचस्प बात यह है कि उनकी सीरीज एक गैर-काल्पनिक कहानी पर आधारित होगी। मिड-डे की रिपोर्ट के मुताबिक, ऋचा और अली की जोड़ी देश के विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों पर आधारित एक नॉन-फिक्शन कहानी लेकर आ रही है। इस बारे में बात करते हुए सूत्र ने कहा, ₹ये सीरीज दैनिक दिनचर्या की कहानियां, स्थानीय इतिहास और सांस्कृतिक रीति-रिवाजों पर केंद्रित होगी। इसके जरिए देश का एक व्यापक दृष्टिकोण सामने आएगा।₹ मुंबई के कुछ हिस्सों मे शूटिंग हो चुकी है। जल्द ही टीम अन्य शहरों और कस्बों की

अरिजीत सिंह के संन्यास पर श्रेया घोषाल ने दी प्रतिक्रिया

सोशल मीडिया पर किया संन्यास का ऐलान

म्यूजिक इंडस्ट्री को उस वक्त बड़ा झटका लगा, जब मशहूर गायक अरिजीत सिंह ने प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास लेने का ऐलान किया। उनके इस अचानक फैसले से न सिर्फ बॉलीवुड बल्कि लाखों फैंस भी हैरान रह गए। हालांकि, अरिजीत ने स्पष्ट किया है कि वे संगीत से पूरी तरह दूर नहीं हो रहे हैं और संगीतकार के रूप में अपनी रचनात्मक यात्रा जारी रखेंगे। अरिजीत के इस फैसले पर गायिका श्रेया घोषाल ने प्रतिक्रिया देते हुए इसे किसी युग का अंत मानने से इनकार किया। रिपोर्ट के मुताबिक श्रेया ने कहा कि अरिजीत जैसे प्रतिभाशाली कलाकार को पारंपरिक सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता। उन्होंने कहा कि यह उनके जीवन के एक नए और रचनात्मक दौर की शुरुआत है और वे उनकी आने वाली संगीत रचनाओं को सुनने के लिए उत्साहित हैं। अरिजीत सिंह ने 27 जनवरी की रात सोशल मीडिया के जरिए प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास लेने की घोषणा की। उन्होंने लिखा, 'नमस्ते, आप सभी को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं। आपने मुझे इतने सालों में खूब प्यार दिया, इसके लिए धन्यवाद।

'द केरल स्टोरी 2 : गोज़ बियॉन्ड' का मोशन पोस्टर आया सामने

अभिनेत्री अदा शर्मा की फिल्म 'द केरल स्टोरी' (2023) को दर्शकों और समीक्षकों दोनों से जबरदस्त सराहना मिली थी। अब निर्माता ने इस प्रोजेक्ट को समाप्त नहीं होने देने का फैसला किया है और इसकी अगली कड़ी 'द केरल स्टोरी 2: गोज़ बियॉन्ड' को लेकर तेजी से तैयारिया जोरों पर हैं। फिल्म का मोशन पोस्टर जारी कर दिया गया है और साथ ही इसकी ऑफिशियल रिलीज तारीख का भी ऐलान हो गया है। निर्माता विपुल अमृतलाल शाह ने पोस्टर शेयर करते हुए बताया कि यह सिक्वल एक भावनात्मक और गहन कहानी सामने लाएगी। मोशन पोस्टर में महिलाओं के दर्द, भय, आँसू और क्रोध जैसे भावों को शक्तिशाली रूप से दिखाया गया है, जो आगामी फिल्म के गंभीर विषय और इमोशनल जर्नी का संकेत देते हैं। फिल्म का निर्देशन कामाख्या नारायण सिंह ने किया है, जिन्होंने इस विषय को संवेदनशील और प्रभावशाली तरीके से बड़े पर्दे पर पेश करने का दावा किया है। 'द केरल स्टोरी 2' में कुछ नए मुख्य कलाकार भी शामिल किए गए हैं, जिनमें उल्का गुप्ता, अदिति भाटिया और ऐश्वर्या ओझा जैसे नाम शामिल हैं। यह संकेत देता है कि इस बार कहानी और बारीकियों को और भी विस्तार और विविधता के साथ परखा जाएगा। फिल्म 27 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी, जिससे पहले ही इसके मोशन पोस्टर और विषय ने दर्शकों के बीच उत्साह और चर्चा पैदा कर दी है। 'द केरल स्टोरी 2: गोज़ बियॉन्ड' को लेकर अभी आगे की कास्टिंग, प्लॉट डिटेल्स और म्यूज़िक से जुड़ी घोषणाएं आने वाली हैं, जिनके लिए फैंस बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

बजट सत्र का आगाज

राष्ट्रपति मुर्मु ने गिनाईं उपलब्धियां

25 करोड़ लोग गरीबी से निकले बाहर: राष्ट्रपति

आज पेश होगा 'आर्थिक सर्वेक्षण 2026'

एजेंसी | नई दिल्ली

संसद के बजट सत्र का बुधवार को औपचारिक आगाज हो गया. सत्र की शुरुआत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त संबोधन से हुई. सुबह 11 बजे दिए गए अपने अभिभाषण में राष्ट्रपति ने सरकार की नीतियों, आर्थिक प्रगति और विभिन्न क्षेत्रों में हासिल उपलब्धियों को रेखांकित किया. राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि बीते वर्षों में देश के इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में नए कीर्तिमान बने हैं. सड़क, रेल और बंदरगाहों के विकास से आर्थिक गतिविधियों को गति मिली है. उन्होंने बताया कि अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत लगातार आगे बढ़ रहा है और वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत पहचान बना रहा है. जीएसटी में किए गए सुधारों से कर व्यवस्था सरल हुई है और अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिली है.

इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर में तेज प्रगति

राष्ट्रपति ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर में उल्लेखनीय विकास हुआ है। सरकार ने चार नई सेमीकंडक्टर यूनिट को मंजूरी दी है, जिससे घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा। शिपिंग सेक्टर के लिए 70 हजार करोड़ रुपये के ऐतिहासिक पैकेज की भी घोषणा की गई है। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि देश में आज करीब दो लाख पंजीकृत स्टार्टअप हैं। रोजगार मेलों के जरिए लाखों युवाओं को नौकरी मिली है। साथ ही 20 लाख से अधिक कारीगरों को प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया गया है।

महिला सशक्तिकरण और सामाजिक योजनाएं

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि सरकार दलितों, गरीबों और वंचित वर्गों के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है. 'लखपति दीदी' योजना के तहत बीते एक वर्ष में सात लाख महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त बनी हैं. उन्होंने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रही हैं.

आज पेश होगा आर्थिक सर्वेक्षण

वित्त मंत्री सीतारमण 29 जनवरी को आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 पेश करेंगी और एक फरवरी को बजट आएगा। यह बजट ऐसे समय में आ रहा है जब वैश्विक अर्थव्यवस्था उथल-पुथल में है, भारत को अमेरिकी सरकार द्वारा लगाए गए 50% टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है, और रुपया डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर 92 पर पहुंच गया है। ऐसे में कठिन वैश्विक परिस्थितियों में अर्थव्यवस्था को संभालने, दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था होने का दर्जा बरकरार रखने और राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने के लिए बजट 2026 पर सबकी निगाहें टिकी हैं।

पीएफआई जिहादी मामले में एनआईए ने केरल में कई स्थानों पर की छापेमारी

कट्टरपंथी बनाकर लोगों के बीच सांप्रदायिक विभाजन पैदा करने की साजिश का मामला

एजेंसी | कोच्चि

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने बुधवार को केरल में नौ अलग-अलग स्थानों पर सघन तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (PFI) से जुड़े 2022 के एक आपराधिक षड्यंत्र मामले के तहत की गई है। इस छापेमारी के दौरान NIA ने PFI और उसके सहयोगी संगठनों से संबंधित कई आपत्तिजनक दस्तावेज़ और डिजिटल उपकरण ज़ब्त किए हैं, जो संगठन की संदिग्ध गतिविधियों की पुष्टि करते हैं।

'हिट टीम' और सैन्य प्रशिक्षण का खुलासा

PFI ने अपने एजेंडे को लागू करने के लिए बाकायदा 'रिपोर्टर्स विंग' और 'हिट टीम' जैसी कई गुप्त इकाइयां बनाई थीं। संगठन योग और शारीरिक शिक्षा की आड़ में अपने चुनिंदा कार्यकर्ताओं को हथियारों का प्रशिक्षण दे रहा था। इन 'हिट टीमों' का मुख्य काम चिन्हित किए गए लक्ष्यों (Targets) को खत्म करना था।

2047 तक 'इस्लामी शासन' का षड्यंत्र

NIA की जांच में यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि PFI का मुख्य उद्देश्य साल 2047 तक भारत में इस्लामी शासन स्थापित करना और देश का विभाजन करना था। इस लक्ष्य को पाने के लिए संगठन के नेता युवाओं को कट्टरपंथी बना रहे थे और समाज में सांप्रदायिक वैमनस्य फैलाने की साजिश रच रहे थे। जांच के अनुसार, यह संगठन भारत विरोधी गतिविधियों के लिए भारी मात्रा में धन जुटाने और युवाओं को देश के खिलाफ हथियार उठाने के लिए उकसाने में लिप्त पाया गया है।

न्यूज़ ब्रीफ

अंतरजातीय विवाह का विरोध करने पर माता-पिता की हत्या

विकाराबाद। तेलंगाना के विकाराबाद जिले में 23 वर्षीय एक युवती को अपने माता-पिता की कथित रूप से हत्या करने के आरोप में बुधवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, पेशे से नर्स युवती ने अंतरजातीय विवाह का माता-पिता द्वारा विरोध किए जाने पर जानलेवा इंजेक्शन देकर मार डाला। सोशल मीडिया के जरिए एक युवक के संपर्क में आने पर युवती ने अपने माता-पिता के समक्ष शादी की इच्छा जताई लेकिन अंतरजातीय होने की वजह से उन्होंने इनकार कर दिया। इसके बाद नाराज युवती ने उनकी हत्या कर दी।

आधार ऐप आधिकारिक तौर पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध

नई दिल्ली। आधार से जुड़े काम अब आसान और ज्यादा सुरक्षित हो गए हैं। नई आधार ऐप आधिकारिक तौर पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध करा दी गई है। इस नई ऐप को लाने का ऐलान नवंबर 2025 में किया गया था। नई ऐप से उपयोगकर्ता स्मार्टफोन से आधार से जुड़ी सेवाओं को आसान और सुरक्षित तरीके से पूरा कर पाएंगे। इससे डिजिटल पहचान मजबूत होगी और भौतिक आधार कार्ड पर निर्भरता कम होगी। अक्सर होटल चेक-इन, सिम कार्ड लेने, सत्यापन जैसे कामों में आधार की फोटो कॉपी देनी पड़ती है, जिससे डेटा के गलत इस्तेमाल का खतरा रहता है। नई ऐप सुरक्षित डिजिटल सत्यापन की सुविधा देती है।

टेक्सास ने विश्वविद्यालयों और एजेंसियों का एच-1बी वीजा रोका

ह्यूस्टन। अमेरिका में टेक्सास प्रांत के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने सरकारी एजेंसियों और सार्वजनिक विश्वविद्यालयों को नए एच-1बी वीजा आवेदनों को तुरंत रोकने का आदेश दिया है। गवर्नर ग्रेग एबॉट के इस आदेश के मुताबिक करदाताओं के पैसे से वित्त पोषित संस्थानों में भर्ती नियमों को सख्त किया गया है। इस कदम से भारतीय पेशेवरों के प्रभावित होने की संभावना है। एच-1बी वीजा आवेदनों पर यह रोक मई 2027 तक लागू रहेगी। मंगलवार को जारी निर्देश में कहा गया है कि टेक्सास की एजेंसियों और सार्वजनिक विश्वविद्यालयों को टेक्सास वर्कफोर्स कमीशन से लिखित मंजूरी प्राप्त किए बिना एच-1बी वीजा की नयी याचिकाएं दाखिल करना बंद कर देना चाहिए।

कोड और क्लाउड भविष्य के युद्ध का मैदान: मोदी

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली छावनी में आयोजित वार्षिक एनसीसी रैली को संबोधित करते हुए आधुनिक युद्ध के बदलते स्वरूप पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य की जंग अब केवल सीमाओं, टैंकों और तोपों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि 'कोड और क्लाउड' (डिजिटल और साइबर स्पेस) भविष्य के नए युद्धक्षेत्र होंगे। प्रधानमंत्री ने स्वदेशी हथियारों के बढ़ते पराक्रम और तकनीकी सशक्तिकरण को देश की सुरक्षा के लिए अनिवार्य बताया।

वैश्विक व्यापार समझौते और युवाओं के लिए अवसर

प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं के लिए खुलते नए अवसरों का जिक्र करते हुए भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए गए 'मुक्त व्यापार समझौतों' (FTA) को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने विशेष रूप से यूरोपीय संघ (EU), ओमान, ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के साथ हुए करारों का उल्लेख किया। पीएम ने कहा कि इन समझौतों से लाखों भारतीय युवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोजगार और उद्यम के अनगिनत द्वार खुलेंगे। एनसीसी कैडेटों को प्रोत्साहित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी 'अमृतकाल' में जी रही है, जहाँ उनका अनुशासन और समर्पण 2047 तक भारत की वैश्विक स्थिति को निर्धारित करेगा।

कश्मीर फंडिंग मामले में 'सुप्रीम' फैसला

कारोबारी नवल किशोर की जमानत याचिका पर सुनवाई को सहमति

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को यूएई में रहने वाले कारोबारी नवल किशोर कपूर की जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई। कपूर पर कश्मीर घाटी में अशांति फैलाने के लिए फंडिंग करने का आरोप है और उनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज है। जस्टिस विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारिया की पीठ ने इस मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को नोटिस जारी कर उसका जवाब मांगा है। कपूर की ओर से पेश वरिष्ठ वकील शादान फरासत ने अदालत को बताया कि उनके मुवक्किल पिछले सात साल से ज्यादा समय से जेल में हैं और उन पर लगाए गए आतंक फंडिंग के आरोपों के ठोस सबूत नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अभियोजन के मुताबिक कपूर ने कुछ पैसा जाहूर अहमद शाह वताली को दिया था।

जुलाई 2018 में किया गया था गिरफ्तारी

एनआईए के अनुसार, वर्ष 2017 में दर्ज मामले की जांच में पता चला कि अलगाववादी नेताओं ने हिंसा फैलाने और लोगों को उकसाने की साजिश रची थी। इस साजिश में विदेशों से हवाला नेटवर्क के जरिए पैसा लाया गया। इस मामले में लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद समेत कई लोगों के नाम सामने आए हैं। कपूर को जुलाई 2018 में गिरफ्तार किया गया था और जनवरी 2019 में चार्जशीट दाखिल की गई थी। अब सुप्रीम कोर्ट इस मामले में आगे की सुनवाई करेगा।

दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती

बता दें कि नवल किशोर कपूर ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि पहली नजर में यह साबित होता है कि कपूर ने विदेश से पैसा भारत लाने में मदद की, जिसका इस्तेमाल अलगाववादी और आतंकी गतिविधियों के लिए किया गया। हाई कोर्ट ने यह भी कहा था कि यूएपीए के तहत जमानत के नियम काफी सख्त हैं और यदि आरोप पहली नजर में सही लगते हैं तो जमानत नहीं दी जा सकती। अदालत ने यह दलील भी खारिज कर दी थी कि लंबी सुनवाई के आधार पर जमानत दी जाए, यह कहते हुए कि ट्रायल तेजी से चल रहा है।

लावारिस कुत्तों पर राज्यों की बातें सिर्फ हवा-हवाई : शीर्ष कोर्ट

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को लावारिस कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए समुचित कदम नहीं उठाए जाने पर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रति कड़ी नाराजगी जताई। शीर्ष अदालत ने कहा कि अधिकांश राज्य सरकारें कुत्तों की नसबंदी, टीकाकरण, शेल्टर और कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं पर 'हवा-हवाई बातें' कर रही हैं। जस्टिस विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एन.वी. अंजारिया की पीठ ने कहा कि राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेश आंकड़े, मानव संसाधन और एक स्पष्ट कार्ययोजना के बगैर गोलमोल दावे कर रही हैं।

पीठ ने चिंता जताई

पीठ ने इस बात पर चिंता जताई कि राज्य सरकारें लावारिस कुत्तों की नसबंदी की क्षमता बढ़ाने के उसके आदेशों का प्रभावी तरीके से पालन करने के बजाए कहानियां बना रही है। जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा कि हलफनामों से साफ पता चलता है अधिकांश राज्य/केंद्र प्रदेश सरकारें अस्पष्ट बयान दे रही हैं, जबकि वे ऐसा नहीं कर सकते। मामले की सुनवाई गुरुवार को भी जारी रहेगी। पीठ अब पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में पेश हलफनामों पर विचार करेगी।

हमें झारखंड के दावों पर भरोसा नहीं : सुको

सुप्रीम कोर्ट पिछले आदेश के पालन में झारखंड सरकार द्वारा पेश आंकड़ों पर सवाल उठाया और कहा कि हमें इन आंकड़ों पर भरोसा नहीं। झारखंड सरकार ने दावा किया कि राज्य में 1,89,000 कुत्तों की नसबंदी की गई है। पीठ ने इसकी छानबीन की तो पता चला कि झारखंड ने महज 2 माह में 1.60 लाख कुत्तों के नसबंदी होने का आंकड़ा पेश किया है। इस पर पीठ ने कहा कि हमें इन आंकड़ों पर भरोसा नहीं है। पीठ ने कहा कि यह आंकड़ा पूरी तरह से मनगढ़ंत है। बिहार सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी देते हुए न्याय मित्र ने कहा कि राज्य में 34 पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) केंद्र हैं, जहां वे कहते हैं कि 20,648 कुत्तों की नसबंदी की गई है। अग्रवाल ने कहा कि बिहार ने नसबंदी करने की दैनिक क्षमता और अवधि नहीं बताई।

कुत्तों की नसबंदी के आंकड़े दिल्ली के लिए पर्याप्त नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार की ओर से पेश हलफनामों पर विचार करते हुए कहा कि 8 माह में महज 68,000 कुत्तों की नसबंदी करना आबादी को नियंत्रित करने के पर्याप्त नहीं है। न्याय मित्र ने पीठ से कहा कि दिल्ली में कुत्तों के नसबंदी की संख्या को इस साल तक इसे दोगुना किया जाना चाहिए। हालांकि शीर्ष अदालत ने कहा कि कर्नाटक एकमात्र ऐसा राज्य है।

तमिलनाडु में सीट बंटवारे पर गतिरोध बरकरार

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और द्रमुक नेता कनिमोझी ने बुधवार को बैठक की। इस बैठक में भी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे को लेकर फिलहाल कोई सहमति नहीं बनी। सूत्रों के अनुसार, 'दोनों नेताओं ने उन मुद्दों पर चर्चा की जिन्हें हल करने की आवश्यकता है। हालांकि बैठक में कांग्रेस की सीटों की संख्या पर चर्चा नहीं हुई।' कांग्रेस की तमिलनाडु इकाई के नेता इस बार विधानसभा चुनाव में कम से कम 30 सीटों पर चुनाव लड़ने के साथ सत्ता में समुचित भागीदारी चाहते हैं, लेकिन द्रमुक कांग्रेस को पिछली बार के मुकाबले ज्यादा सीट देने की इच्छुक नहीं है। तमिलनाडु में आगामी अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव संभावित है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल और द्रमुक नेता कनिमोझी ने बैठक की

आतिशी को विधानसभा सचिवालय का नोटिस

6 फरवरी तक मांगा जवाब

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति ने विपक्ष की नेता आतिशी से इस महीने की शुरुआत में शीतकालीन सत्र के दौरान AAP विधायकों के निलंबन के बारे में उनके कथित गलत और दुर्भावनापूर्ण बयानों के संबंध में 6 फरवरी तक लिखित जवाब देने को कहा है। यह मामला उनके उस कथित भ्रामक बयान से जुड़ा है जो उन्होंने विंटर सेशन के दौरान AAP विधायकों के सस्पेंशन पर दिया था। दिल्ली विधानसभा ने बुधवार को विपक्ष की नेता आतिशी से कहा कि वह इस महीने की शुरुआत में विंटर सेशन के दौरान AAP विधायकों के निलंबन के बारे में उनके कथित गलत और दुर्भावनापूर्ण बयानों के संबंध में विशेषाधिकार समिति को एक लिखित जवाब दें।

आतिशी को जारी किया लेटर

सचिवालय की ओर से आतिशी को जारी किए गए लेटर में कहा गया है कि मुझे विशेषाधिकार समिति के अध्यक्ष की ओर से आपसे गुजारिश करने को कहा गया है कि आप इस मामले में अपना लिखित जवाब 6 फरवरी तक सचिवालय में जमा करें। AAP के मुख्य सचेतक संजीव झा समेत चार AAP विधायकों को 6 जनवरी को शीतकालीन सत्र के दौरान उपराज्यपाल के भाषण में बाधा डालने के लिए बाहर निकाल दिया गया था।

विपक्ष की नेता ने की गलत बयानी

विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने आतिशी के दावे का खंडन करते हुए कहा था कि विपक्ष की नेता का आरोप तथ्यात्मक रूप से गलत है। स्पीकर ने साफ कर दिया था कि चार AAP विधायक संजीव झा, सोम दत्त, कुलदीप कुमार और जरनैल सिंह को सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के लिए सस्पेंड किया गया था ना कि मास्क पहनने के लिए।

रेलवे में 'गोल्डन विदाई' पर रोक लगी

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को विदाई उपहार के रूप में गोल्ड प्लेटेड सिल्वर मेडल देने की अपनी लगभग 20 साल पुरानी परंपरा को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया है। मार्च 2006 में शुरू हुई इस योजना के तहत, रिटायर होने वाले या वीआरएस लेने वाले कर्मचारियों को 20 ग्राम शुद्ध चांदी का पदक दिया जाता था, जिस पर सोने की परत चढ़ी होती थी।

गुणवत्ता और खर्च में कटौती बनी वजह

इस फैसले से रेलवे कर्मचारियों के एक वर्ग में निराशा है, जो इसे केवल धातु का टुकड़ा नहीं बल्कि अपनी बरसों की सेवा का सम्मान मानते थे। माना जा रहा है कि पदक की जगह अब डिजिटल सर्टिफिकेट या अन्य विकल्पों पर विचार हो सकता है। इस निर्णय के पीछे मुख्य कारण चांदी की बढ़ती कीमतें और वेंडरों द्वारा खराब गुणवत्ता (नकली चांदी) वाले पदकों की आपूर्ति बताई जा रही है। साथ ही, रेलवे प्रशासन अनावश्यक खर्चों को कम करके बुनियादी ढांचे और आधुनिक तकनीकों, जैसे 'कवच' प्रणाली और 'वंदे भारत' ट्रेनों पर अधिक निवेश करने की रणनीति पर काम कर रहा है।

निपाह वायरस | दक्षिण एशियाई देशों में हवाई अड्डों पर हो रही गहन जांच

भारत में निपाह संक्रमण मामले के बाद एशियाई देशों में अलर्ट

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत में निपाह वायरस के दो मामलों की पुष्टि होने के बाद पड़ोसी दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में चिंता बढ़ गई है। इस खतरे को देखते हुए सिंगापुर, हांगकांग, थाईलैंड और मलेशिया जैसे देशों ने अपने हवाई अड्डों पर निगरानी और सुरक्षा के कड़े इंतजाम कर दिए हैं। इन देशों ने वायरस के प्रसार को रोकने के लिए यात्रियों की थर्मल स्कैनिंग और स्वास्थ्य स्क्रीनिंग अनिवार्य कर दी है, ताकि किसी भी संक्रमित व्यक्ति की पहचान तुरंत हो सके और संक्रमण को फैलने से रोका जा सके।

डब्ल्यूएचओ की चेतावनी

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने निपाह वायरस को एक गंभीर खतरा मानते हुए चेतावनी दी है कि यह महामारी का रूप ले सकता है। चिंता का प्रमुख कारण यह है कि वर्तमान में इस बीमारी से बचाव के लिए कोई टीका उपलब्ध नहीं है और न ही इसका कोई विशिष्ट इलाज मौजूद है। यह वायरस जानवरों से इंसानों में फैलता है।

उच्च मृत्यु दर और संक्रमण का तरीका

विशेषज्ञों के अनुसार, निपाह वायरस संक्रमण में मृत्यु दर 40 से 75 प्रतिशत तक होती है, जो इसे बेहद घातक बनाती है। यह वायरस मुख्य रूप से फल खाने वाले चमगादड़ों और सूअरों से इंसानों में फैलता है। इसके अलावा, संक्रमित व्यक्ति के नजदीकी संपर्क में आने से यह एक इंसान से दूसरे इंसान में भी फैल सकता है।

पश्चिम बंगाल के मामले और सरकार की तत्परता

भारत में निपाह के ये दो मामले दिसंबर के अंत में पश्चिम बंगाल में सामने आए थे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इन मरीजों के संपर्क में आए 196 लोगों की पहचान की और उनकी जांच करवाई। राहत की बात यह है कि सभी की रिपोर्ट निगेटिव आई है। मंत्रालय ने अफवाहों को खारिज करते हुए आश्वासन दिया है।

पड़ोसी देशों के सख्त सुरक्षा इंतजाम

संक्रमण के जोखिम को देखते हुए विभिन्न देशों ने सख्त कदम उठाए हैं। सिंगापुर और हांगकांग में भारतीय यात्रियों की गहन जांच की जा रही है। थाईलैंड ने प्रभावित क्षेत्रों से आने वाले विमानों के लिए अलग पार्किंग बे निर्धारित किए हैं और स्वास्थ्य घोषणा पत्र भरना अनिवार्य कर दिया है। मलेशिया ने अपने प्रवेश द्वारों पर जांच कड़ी कर दी है। वहीं, भारत से सटी सीमा होने के कारण नेपाल ने भी उच्च सतर्कता (High Alert) घोषित कर दी है।